▪ आश्विन कृष्ण - 11 ▪ संवत 2081 ▪ वर्ष - 12 ▪ अंक - 66 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » शनिवार » 28-09-2024 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 जम्मू कश्मीर के लोगों ने गोलियों को खारिज कर मतपत्रों को चुना : नड्डा

6 सोशल मीडिया से बच्चों को दूर रखना क्यों जरूरी?

7 तुर्किये के राष्ट्रपति ने संयुक्त राष्ट्र में नहीं किया कश्मीर का जिक्र

फर्स्ट टेक

विदेशी मुद्रा भंडार 692.30 अरब डॉलर की नई ऊंचाई पर

मुंबई/भाषा। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 20 सितंबर को समाप्त सप्ताह में 2.84 अरब डॉलर बढ़कर 692.30 अरब डॉलर के नये सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया। इससे पिछले सप्ताह देश का विदेशी मुद्रा भंडार 22.3 करोड़ डॉलर बढ़कर 689.46 अरब डॉलर की नई ऊंचाई पर जा पहुंचा था। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार 20 सितंबर को समाप्त सप्ताह में मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा मानी जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियां 2.06 अरब डॉलर बढ़कर 605.69 अरब डॉलर हो गई।

इजराइल ने भीषण धमाका कर हिजबुल्ला का मुख्यालय उड़ाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेरूत/एपी। इजराइली सेना ने शुक्रवार को कहा कि उसने बेरूत में हिजबुल्ला के केंद्रीय मुख्यालय पर हमला किया, जहां एक के बाद एक कई भीषण विस्फोट से काफी संख्या में इमारतें ध्वस्त हो गईं और आसमान में नारंगी तथा काले रंग के धुएं का गुबार छा गया।

लेबनान की राजधानी के दक्षिणी उपनगरों में ये हमले इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू द्वारा संयुक्त राष्ट्र को संबोधित करने के कुछ ही समय बाद हुए। नेतन्याहू ने अपने संबोधन में संकल्प लिया कि हिजबुल्ला के खिलाफ इजराइल का अभियान जारी रहेगा। उनकी टिप्पणियों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर समर्थित युद्ध विराम की उम्मीदों को और कम कर दिया।

इजराइल के तीन प्रमुख टीवी चैनलों के अनुसार हिजबुल्ला नेता हसन नसरल्लाह को निशाना बनाने के लिए ये हमले किए गए। हालांकि सेना ने इस पर टिप्पणी से इनकार कर दिया। इजराइली सेना के प्रवक्ता रियर एडमिरल डैनियल हगारी ने कहा कि इसने आवासीय इमारतों के नीचे स्थित हिजबुल्ला के मुख्यालय को निशाना बनाया। हिजबुल्ला के अल-मनार टेलीविजन के अनुसार, दहिया के हरेत हरीक इलाके में चार इमारतें मलबे में तब्दील हो गईं। खबर में कहा गया है कि विस्फोट इतना शक्तिशाली था कि इससे बेरूत से लगभग 30 किलोमीटर उत्तर में स्थित इमारतें भी हिल गईं।

निकटवर्ती अस्पताल के अधिकारियों ने बताया कि उन्हें कम से कम 10 लोग घायल मिले हैं, जिनमें एक सीरियाई बच्चा सहित तीन की हालत गंभीर है।

हिजबुल्ला पर हमले जारी रखेगा इजराइल : नेतन्याहू

संयुक्त राष्ट्र/एपी। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने संयुक्त राष्ट्र में शुक्रवार को विश्व के नेताओं से कहा कि लेबनान से लगी सीमा पर अपने लक्ष्यों को हासिल करने तक उनका देश हिजबुल्ला पर हमले जारी रखेगा। उनके इस बयान से, क्षेत्रीय युद्ध को रोकने के लिए अंतरराष्ट्रीय समर्थन वाले संघर्ष विराम की उम्मीदें घट गई हैं। नेतन्याहू ने कहा कि उनकी सरकार उस इलाके (लेबनान) से रोजाना रॉकेट दागे जाने को अब बर्दाश्त नहीं करेगी। उन्होंने कहा, ''इजराइल को इस खतरे को खत्म करने और अपने नागरिकों को सुरक्षित उनके घर भेजने का पूरा अधिकार है। और हम ठीक यही कर रहे हैं... हम हिजबुल्ला पर हमले करना जारी रखेंगे, जब तक कि हमारे सभी उद्देश्य पूरे नहीं हो जाते।'' नेतन्याहू ने कहा, ''जरा सोचिए, यदि आतंकवादी एल पासो और सैन डियागो को भूतहा शहरों में बदल दे... अमेरिकी सरकार कब तक उसे बर्दाश्त करेगी?'' उन्होंने कहा कि फिर भी इजराइल लगभग एक साल से इस असहनीय स्थिति को बर्दाश्त कर रहा है लेकिन ''मैं आज यहां यह कहने आया हूं: बस बहुत हो गया।''

योगी आदित्यनाथ ने पाकिस्तान पर प्रहार करते हुए कहा

'आतंकवाद का समर्थन करता रहा तो तीन टुकड़ों में बंटेगा पाकिस्तान'

पाकिस्तान के कब्जे वाला कश्मीर भारत में विलय के लिए तैयार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कठुआ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कहा कि अगर पाकिस्तान आतंकवाद का समर्थन जारी रखता है, तो पड़ोसी मुल्क तीन टुकड़ों में बंट सकता है। जम्मू-कश्मीर के कठुआ में एक रैली में पड़ोसी मुल्क को चेतावनी देते हुए आदित्यनाथ ने कहा कि पाकिस्तान के कब्जे वाला कश्मीर (पीओके) पहले से ही भारत में विलय के लिए तैयार है।

आदित्यनाथ ने कहा, यहां तक कि पाकिस्तान समर्थित आतंकवादी भी जानते हैं कि आतंकवाद को समर्थन देने के लिए पाकिस्तान को क्या कीमत चुकानी पड़ेगी। इससे पाकिस्तान तीन हिस्सों में बंट सकता है और उसका कोई नामोनिशान नहीं बचेगा। उन्होंने कहा, पाकिस्तान के कब्जे वाला कश्मीर भारत में विलय के लिए तैयार बैठा है। वे पाकिस्तान से आजादी चाहते हैं। वे विकास, राशन, शांति और आयुष्मान स्वास्थ्य कार्ड चाहते हैं लेकिन यह सब केवल भारत में ही संभव है।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने जम्मू-कश्मीर के लोगों से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को वोट देने के लिए कहा और पार्टी को क्षेत्र में सुशासन, शांति, स्थिरता और विकास के लिए एकमात्र विकल्प बताया। योगी ने पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति को रेखांकित करते हुए कहा, पाकिस्तान की स्थिति ऐसी है कि वह भीख का कटोरा लेकर घूम रहा है। यहां तक कि बलूचिस्तान भी अब कह रहा है कि वे पाकिस्तान के साथ नहीं रहना चाहते क्योंकि उनके साथ विदेशियों जैसा व्यवहार किया जाता है।

मुख्यमंत्री योगी ने आतंकवाद के खिलाफ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'दृढ़' रुख को भी दोहराया और सिंधु नदी संधि का हवाला देते हुए कहा कि पानी और आतंकवाद एक साथ नहीं बह सकते। उन्होंने चेतावनी दी कि पाकिस्तान के समर्थन से भारत में आतंकवाद फैलाने की कोशिश करने वाले किसी भी व्यक्ति का बुरा हश्र होगा।

योगी ने कहा, अगर कोई पाकिस्तान के समर्थन से भारत में आतंकवाद के बीज बोने की कोशिश करता है तो उसके पास न तो ढकने के लिए कफन होगा और न ही दफनाने के लिए दो गज जमीन।

▪ **मुख्यमंत्री योगी ने आतंकवाद के खिलाफ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'दृढ़' रुख को भी दोहराया और सिंधु नदी संधि का हवाला देते हुए कहा कि पानी और आतंकवाद एक साथ नहीं बह सकते।**

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

सियासी गठबंधन

कैसे मेंढ़क तुले तराजू,
पड़ा अक्ल पर सबके कोड़ा।
टांग खेंचते इक दूजे की,
चले अढ़ाई घर ज्यूं घोड़ा।
गिद्ध भोज में जुटे जीमने,
भुक्कड़ कोई ज्यादा-थोड़ा।
लगे सियासी गठबंधन यूं,
भानुमती ने कुनबा जोड़ा।।

PRASHANTH HOSPITALS
WE CARE FOR U

24X7 आपातकाल देखभाल।

आपका दिल हमारे पास सुरक्षित है।

सर्वोत्तम बुनियादी सुविधाओं और अनुभवी विशेषज्ञों के साथ,
हम ले आए है आपके दिल की देखभाल आपके और भी क़रीब।

- 20 वर्षों से भी अधिक अनुभव वाले माहिर कार्डियोलोजिस्ट(हृदय विशेषज्ञ)
- चौबीस घंटे चलने वाला कार्डिएक क्रिटिकल केयर यूनिट(गहन देखभाल यूनिट)
- 24x7 अति आधुनिक कैथ-लैब
- ऐंजियोग्राम /प्राथमिक एंजियोप्लास्टी
- जटिल हाई रिस्क वाले रोगीयो में आधुनिक करोनरी इंटरवेंशन(व्यवधान)
- आधुनिक हार्ट फ़ेलियर थेरेपी
- सीएबीजी /वॉल्व सर्जरीज़
- ट्राँसकैथेटर एओरटिक वॉल्व रिप्लेसमेंट (महाधमनी वॉल्व प्रतिस्थापन) (टीएवीआर)

हृदय की स्वास्थ्य जाँच @ ₹499

पैकेज में शामिल है
• सम्पूर्ण रक्त जाँच • फास्टिंग शुगर • लिपिड प्रोफ़ाइल
• पोस्ट पेरेंडियल शुगर • सीरम क्रिएटनिन
• ईसीजी • ईको • कार्डियोलोजिस्ट द्वारा सलाह

अपाइटमेंट पहले से बुक करवाना और रजिस्ट्रेशन फ़ीस भरना लागू है।

तिथि: 16 सितम्बर से 15 अक्टूबर 2024
(रविवार छोड़कर)
समय: सुबह 8.00 बजे से दोपहर 12.00 बजे तक
रातभर पेट खाली रखना अनिवार्य है

वेलाचेरी : 46805544 / 22439494 | कोलथूर : 69177777 / 8754555264

कर्नाटक में वैश्विक क्षमता केंद्र नीति पेश, 2029 तक 3.5 लाख नौकरियां सृजित करने का लक्ष्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक सरकार ने वैश्विक क्षमता केंद्र (जीसीसी) नीति का मसौदा शुक्रवार को पेश किया। इसका लक्ष्य 2029 तक 50 अरब अमेरिकी डॉलर का आर्थिक उत्पादन करना और 500 नए जीसीसी आकर्षित करने के साथ 3.5 लाख नई नौकरियां सृजित करना है। वैश्विक क्षमता केंद्र बहुराष्ट्रीय कंपनियों की दूसरे देशों में स्थित इकाइयां हैं। ये केंद्र अपनी मूल कंपनी को आईटी, वित्त, मानव संसाधन और विश्लेषण जैसी विभिन्न सहायता सेवाएं प्रदान करती हैं।

अधिकारियों ने कहा कि यह नीति निवेशकों का भरोसा बढ़ाने, स्थानीय नवोन्मेष परिवेश के साथ निर्बाध सहयोग को बढ़ावा देने और कर्नाटक को कृत्रिम मेधा (एआई) अनुसंधान और विकास के क्षेत्र में अगुवा बनाने के लिए तैयार की गई है। इस मौके पर राज्य के सूचना प्रौद्योगिकी एवं जैव प्रौद्योगिकी मंत्री प्रियांक खरगे ने कहा, आज, हम गर्व के साथ वैश्विक क्षमता केंद्रों के लिए अलग से बनायी गयी देश की पहली नीति की शुरुआत कर रहे हैं। यह नवोन्मेष...के लिए शीर्ष गंतव्य के रूप में कर्नाटक की स्थिति की पुष्टि करता है। जीसीसी बैक-ऑफिस' यानी दफ्तर के मुख्य कार्य के सुचारू परिचालन के लिए ढांचागत समर्थन देने से आगे बढ़कर वैश्विक रणनीतिक पहल, अनुसंधान एवं विकास तथा प्रौद्योगिकी समाधानों के महत्वपूर्ण चालक बन गए हैं।

उन्होंने कहा कि 12 लाख से अधिक कार्यबल और अर्थव्यवस्था में 22.2 अरब अमेरिकी डॉलर के योगदान के साथ जीसीसी कर्नाटक के लिए वृद्धि तथा रोजगार का एक महत्वपूर्ण स्रोत रहा है। मसौदा नीति पर संबंधित पक्षों से सुझाव आमंत्रित किये गये हैं। कर्नाटक सरकार के इलेक्ट्रॉनिक, आईटी, जैव प्रौद्योगिकी विभाग की सचिव एकरूप कौर ने कहा, इस नीति के जरिये हमारा लक्ष्य 2029 तक 500 नए जीसीसी स्थापित करना है। इससे 3.5 लाख नए रोजगार सृजित होंगे और 50 अरब अमेरिकी डॉलर का आर्थिक उत्पादन होगा।

केंद्र दूरसंचार उपकरण विनिर्माण क्षेत्र की स्थापना कर रहा : सिंधिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने शुक्रवार को कहा कि केंद्र सरकार देश में दूरसंचार उपकरण विनिर्माण क्षेत्र स्थापित कर रही है। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश तेजी से बढ़ने की उम्मीद है।

केंद्रीय संचार और पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश ने पिछले 10 वर्षों के दौरान 1.28 लाख करोड़ रुपए के मोबाइल फोन निर्यात किए हैं। उन्होंने कहा कि पहले भारत में ज्यादातर मोबाइल फोन आयात किए जाते थे और निर्यात केवल 1,500 करोड़ रुपए का था। सिंधिया ने कहा, ''हम दुनिया में मोबाइल फोन के दूसरे सबसे बड़े उत्पादक बन गए हैं। आज 30 करोड़ मोबाइल फोन भारत में तैयार किए जा रहे हैं।'' उन्होंने यहां एक कार्यक्रम में कहा कि मोबाइल फोन का मूल्यवर्धन 20 प्रतिशत बढ़ा है और ऐसा इसलिए हुआ है क्योंकि हमारी सरकार ने एफडीआई मानदंड बदल दिए हैं।

मंत्री ने कहा कि भारत में करीब 98 अरब अमेरिकी डॉलर का एफडीआई था और पिछले 10 वर्षों में हमने 60 प्रतिशत की वृद्धि करके 160 अरब डॉलर कर दिया है। मंत्री ने भरोसा जताया कि दूरसंचार क्षेत्र में भी ऐसी ही क्रांति होगी।

सिंधिया ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने सरकारी स्वामित्व वाली भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) को स्वदेशी 4जी प्रौद्योगिकी ढांचा के आधार पर अपनी 4जी सेवाएं स्थापित करने का जिम्मेदारी दी है। उन्होंने कहा, ''हम अपना 4जी दूरसंचार ढांचा बनाने वाले दुनिया के छठे देश हैं और हम अगले साल के मध्य तक एक लाख टावर लगा देंगे। 2025 के मध्य तक हम पूरे भारत में 4जी प्रसार सुनिश्चित कर लेंगे।''

सिंधिया तमिलनाडु के उद्योग मंत्री टीआरबी राजा के साथ अमेरिकी नेटवर्क उपकरण विनिर्माता सिस्को के पहले विनिर्माण संयंत्र के उद्घाटन के अवसर पर यहां आए थे।

एक महिला ने फडणवीस के कार्यालय के बाहर लगी उनकी 'नेम प्लेट' को तोड़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के मुंबई स्थित कार्यालय के बाहर लगी उनकी 'नेमप्लेट' को एक महिला ने कथित तौर पर तोड़ दिया।

अधिकारियों ने बताया कि यह घटना बृहस्पतिवार शाम की है और इससे राज्य सरकार के दक्षिण मुंबई स्थित मुख्यालय 'मंत्रालय' की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं। घटना के समय फडणवीस अपने कार्यालय में नहीं थे। फडणवीस के पास गृह विभाग भी है। पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) प्रवीण मुंडे ने पत्रकारों को बताया कि मध्य मुंबई की रहने वाली महिला मानसिक रूप से अस्वस्थ्य प्रतीत हो रही है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, महिला ने पहले भी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश कार्यालय में इसी तरह की हरकत की थी।

पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि पुलिस की एक टीम शुक्रवार को उसे 'कॉउसलिंग' देने के लिए उसके घर गई। महिला के मानसिक रूप से बीमार होने के संबंध में भी जांच की जा रही है। यह घटना बृहस्पतिवार की शाम साढ़े छह बजे के बाद हुई। अधिकारियों ने बताया कि महिला ने 'नेमप्लेट' उठायी और उसे फर्श पर पटक दिया। उसने बाहर रखे गमलों को भी तोड़ने की कोशिश की। अधिकारी ने कहा, ''महिला ने वैध प्रवेश पास के बिना मंत्रालय में प्रवेश किया। अब तक की जांच के अनुसार महिला ने सुरक्षाकर्मियों को बताया कि वह अपना बैग अंदर भूल गई है और वह उसे लेना चाहती है।''

चालू वित्त वर्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था स्थिर आधार पर 6.5-7 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी : सीईए नागेश्वरन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। केंद्र सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी. अनंत नागेश्वरन ने शुक्रवार को कहा कि चालू वित्त वर्ष 2024-25 में भारतीय अर्थव्यवस्था के स्थिर आधार पर 6.5 से सात प्रतिशत की दर से बढ़ने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि वर्तमान वैश्विक परिदृश्य को देखते हुए यह वृद्धि दर सराहनीय है।

बंगाल चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (बीसीसीआई) द्वारा आयोजित कार्यक्रम को ऑनलाइन संबोधित करते हुए नागेश्वरन ने कहा कि वास्तविक रूप से अर्थव्यवस्था 6.5 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी, जबकि मुद्रास्फीति को ध्यान में रखते हुए मौजूदा कीमतों पर (नॉमिनल) वृद्धि दर 11% होगी। नागेश्वरन ने कहा, '' भारतीय अर्थव्यवस्था चालू वित्त वर्ष में स्थिर आधार पर 6.5 से सात प्रतिशत की वृद्धि दर के साथ सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बनी रहेगी। वर्तमान वैश्विक संदर्भ में यह बेहद अच्छी उपलब्धि है।'' जबकि विश्व मध्यम अवधि की अनिश्चितताओं का सामना कर रहा है और वैश्विक व्यापार धीमा पड़ रहा है, भारत में कोविड-19 वैश्विक महामारी के प्रभावों से उबरना सरकार द्वारा अपनाई गई संतुलित राजकोषीय तथा मौद्रिक नीतियों के दम पर मजबूत हो गया है। उन्होंने कहा, '' भारत में वैश्विक महामारी के प्रभावों से उबरना विवेकपूर्ण व्यापक आर्थिक प्रबंधन के कारण मजबूत है, जिसने स्थिरता के साथ आर्थिक वृद्धि की नींव रखी।''

मुख्यमंत्री पर कांग्रेस आलाकमान का फैसला मुझे मंजूर होगा : हुड्डा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रोहतक/भाषा। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने राज्य विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को प्रचंड बहुमत मिलने की शुक्रवार को उम्मीद जताई और कहा कि मुख्यमंत्री पद को लेकर पार्टी आलाकमान का जो भी फैसला होगा, वह उन्हें मंजूर होगा।

हुड्डा ने रोहतक में अपने आवास पर 'पीटीआई-भाषा'' को दिये साक्षात्कार में कहा कि पार्टी में कोई अंदरूनी कलह नहीं है और मुख्यमंत्री पद के लिए कई दावेदार होने से कांग्रेस को मजबूती ही मिलेगी। कांग्रेस के 77 वर्षीय वरिष्ठ नेता ने उनके पुत्र एवं सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा को मुख्यमंत्री पद के दावेदार के रूप देखे जाने के बारे में पूछे जाने पर कहा कि वह खुद न तो 'टायर्ड' हैं और न ही 'रिटायर्ड' हैं।

अपनी पारंपरिक विधानसभा सीट गढ़ी सांपला-किलोई से पुन: मैदान में उतरे हुड्डा ने दावा किया कि हरियाणा में ''अबकी बार, कांग्रेस की सरकार'' का माहौल बन गया है तथा उनकी पार्टी को प्रचंड बहुमत मिलेगा।

कांग्रेस महासचिव कुमारी सैलजा की कथित नाराजगी से जुड़े प्रकरण के बारे में पूछे जाने पर हुड्डा ने कहा, ''यह आप लोगों (मीडिया) द्वारा पैदा किया हुआ है, यह कोई प्रकरण नहीं है। कांग्रेस एकजुट है।'' इस सवाल पर कि क्या अब सब कुछ ठीक है तो हुड्डा ने कहा, पहले भी सब कुछ ठीक था और आज भी है।'' मुख्यमंत्री पद की दावेदारी से जुड़े सवाल पर हुड्डा ने कहा कि कांग्रेस में मुख्यमंत्री चयन की एक स्थापित प्रक्रिया है और पार्टी आलाकमान जो भी फैसला करेगा, उन्हें मंजूर होगा।

विक्रमादित्य को कांग्रेस की हिदायत: पार्टी की नीतियों व विचारधारा के खिलाफ नहीं जा सकते

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने शुक्रवार को हिमाचल प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह को हिदायत दी कि वह या कोई अन्य नेता पार्टी की नीतियों तथा विचारधारा के खिलाफ नहीं जा सकता। प्रदेश में दुकानदारों के लिए नेमप्लेट से संबंधित मुद्दे पर बयान देने वाले विक्रमादित्य सिंह ने यहां कांग्रेस के संगठन महासचिव के.सी. वेणुगोपाल से मुलाकात कर मामले पर अपनी स्थिति स्पष्ट की। कांग्रेस सूत्रों ने बताया कि वेणुगोपाल ने विक्रमादित्य से दो टूक कहा कि वह या कोई अन्य नेता कांग्रेस की नीतियों और विचारधारा के विरुद्ध नहीं जा सकता।

सूत्रों के अनुसार, वेणुगोपाल ने हिमाचल सरकार के मंत्री से यह भी कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी देश में नफरत के खिलाफ मोहब्बत की राजनीति कर रहे हैं तथा ऐसे में कोई भी कांग्रेस नेता पार्टी की विचारधारा के विरुद्ध नहीं जा सकता। सूत्रों का कहना है कि विक्रमादित्य सिंह ने वेणुगोपाल के समक्ष यह सफाई दी कि उनकी टिप्पणियों को मीडिया ने तोड़-मरोड़कर पेश किया।

रेहड़ी-पटरी वाले दुकानदारों के लिए नाम प्रदर्शित करने को अनिवार्य बनाने के मंत्री विक्रमादित्य सिंह के ऐलान को लेकर आलोचना का सामना करने के बाद हिमाचल प्रदेश सरकार ने बृहस्पतिवार को कहा था कि ऐसा कोई भी निर्णय नहीं लिया गया है। राज्य के लोकनिर्माण और शहरी विकास मंत्री सिंह ने बुधवार को मीडिया से कहा था कि रेहड़ी-पटरी पर दुकान लगाने वाले लोगों के लिए, खासकर खाद्य पदार्थ बेचने वालों के लिए, दुकान पर पहचानपत्र प्रदर्शित करने को अनिवार्य किया जाएगा। उन्होंने कहा था कि यह निर्णय उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा लिए गए फैसले की तर्ज पर लिया गया है।

बैंक ऑफ इंडिया ने शुरू की 400 दिनों की विशेष सावधि जमा योजना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

Bank of India

मुंबई/दक्षिण भारत। बैंक ऑफ इंडिया ने 400 दिनों की अपनी विशेष खुदरा सावधि जमा योजना (3 करोड़ रुपए से कम) आकर्षक ब्याज दर पर सीमित अवधि के लिए आगामी त्योहारों पर उपहार स्वरूप लॉन्च की है।

इस सावधि जमा पर गैर-प्रतिदेय जमा (1 करोड़ रुपए से अधिक की जमा राशियों के लिए) के अंतर्गत बैंक द्वारा 8.10 प्रतिशत प्रति वर्ष की आकर्षक ब्याज दर सुपर वरिष्ठ नागरिकों के लिए, वरिष्ठ नागरिकों के लिए 7.95 प्रतिशत और अन्य ग्राहकों के लिए 7.45 प्रतिशत प्रदान की जा रही है। बैंक द्वारा समय से पूर्व निकासी का विकल्प मौजूद है। इसके तहत 7.95 प्रतिशत प्रति वर्ष की आकर्षक ब्याज सुपर वरिष्ठ नागरिकों के लिए, 7.80 प्रतिशत वरिष्ठ नागरिकों के लिए और 7.30 प्रतिशत अन्य ग्राहकों के लिए है।

यह सावधि जमा भारतीय नागरिकों, एनआरई और एनआरओ जमाकर्ताओं के लिए रुपए में 3 करोड़ रुपए से कम की जमा राशियों पर उपलब्ध है। विशेष सावधि जमा 27 सितंबर से सभी शाखाओं में उपलब्ध होगी। डिजिटल चैनलों (बीओआई ओमनी नियो ऐप/इंटरनेट बैंकिंग) के जरिए भी इसका लाभ उठाया जा सकता है।

भारत में भर्ती में आ रही तेजी, नये लोगों को लेने पर जोर: एक्सेंचर सीईओ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सूचना प्रौद्योगिकी सेवा और परामर्श कंपनी एक्सेंचर भारत में अपने नियुक्ति कार्यक्रम को बढ़ा रही है, जिसमें नये लोगों पर खासतौर से ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। कंपनी की सीईओ जूली स्वीट ने यह जानकारी दी।

एक्सेंचर की चेयर और मुख्य कार्यकारी अधिकारी स्वीट ने एक निवेशक वार्ता के दौरान कॉलेज से हाल में स्नातक करने वालों की भर्ती के लिए कंपनी की प्रतिबद्धता दोहरायी। उन्होंने कहा कि इन नई नियुक्तियों में से अधिकांश भारत में होंगी, जिसे कंपनी के लिए एक महत्वपूर्ण विकास चालक के रूप में देखा जाता है। कंपनी का वित्त वर्ष सितंबर से अगस्त तक चलता है। इस तहत कंपनी नये वित्त वर्ष में प्रवेश कर रही है।

स्वीट ने कहा, ''हम मुख्य रूप से भारत में नियुक्तियां कर रहे हैं... भारत में बहुत सी नियुक्तियां प्रौद्योगिकी से संबंधित हैं, और निश्चित रूप से यह इस समय हमारे कार्यबल को नया बनाएगा। इसलिए नये कॉलेज स्नातकों की भर्ती की जा रही है।'' उन्होंने कहा, ''हम पूरी दुनिया में नियुक्तियां करते हैं, और प्रौद्योगिकी में वित्त वर्ष 2024-25 में भारत में बहुत अधिक नियुक्तियां होंगी।''

ट्राई ने स्पेक्ट्रम आवंटन पद्धति, सैटकॉम सेवाओं के मूल्य निर्धारण पर विचार मांगे

नई दिल्ली/भाषा। दूरसंचार नियामक ट्राई ने उपग्रह कंपनियों को देश में कॉल करने, संदेश भेजने, ब्रॉडबैंड और अन्य सेवाएं देने के लिए स्पेक्ट्रम आवंटित करने के तरीके और मूल्य का पता लगाने के लिए शुक्रवार को परामर्श प्रक्रिया शुरू की। स्पेक्ट्रम मूल्य और आवंटन पद्धति पर फैसले से पूरे भारत में एलन मस्क के स्वामित्व वाली स्टारलिंक, भारती समूह समर्थित वनवेब और जियो सैटेलाइट कम्युनिकेशंस जैसी कंपनियों की उपग्रह आधारित ब्रॉडबैंड सेवाओं के लिए रास्ता खुलेगा। सरकार ने दूरसंचार अधिनियम 2023 के तहत प्रशासनिक प्रक्रिया के जरिए बिना नीलामी के ज्यादातर उपग्रह सेवाओं के लिए स्पेक्ट्रम आवंटित करने का फैसला किया है। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने परामर्श प्रक्रिया में उपग्रह कंपनियों को रेडियो तरंगें आवंटित करने के वैकल्पिक तरीकों पर विचार मांगे हैं। ट्राई ने 21 बिंदुओं पर टिप्पणियां आमंत्रित की हैं। इनमें स्पेक्ट्रम शुल्क निर्धारित करने की विधि, उपग्रह संचार सेवाओं के लिए फ्रीक्वेंसी बैंड और स्पेक्ट्रम वापस करने का प्रावधान आदि शामिल हैं।

हवाई अड्डों की संख्या 2047 तक बढ़ाकर 350 करने की योजना : नागर विमानन मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय नागर विमानन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू ने शुक्रवार को कहा कि सरकार 2047 तक देश में हवाई अड्डों की संख्या बढ़ाकर 350 करने तथा पर्यटन को बढ़ावा देने का प्रयास कर रही है।

नायडू ने विश्व पर्यटन दिवस पर यहां विज्ञान भवन में आयोजित कार्यक्रम में कहा कि उनका मंत्रालय ज्यादा से ज्यादा ऐसे स्थानों को जोड़ने पर काम कर रहा है जो आवागमन के साधनों की पहुंच से दूर हैं और अज्ञात स्थलों के नजदीक हैं।

नायडू ने घरेलू संपर्क को बढ़ावा देने और विदेशी पर्यटकों के स्वागत के लिए हवाई अड्डों पर बेहतर सुविधाएं और गर्मजोशी भरा आतिथ्य प्रदान करने के सरकार के दृष्टिकोण की बात कही। उन्होंने कहा कि हवाई अड्डों का 'देश के प्रवेश द्वार' होना इसकी वजह है।

पर्यटन मंत्रालय के कार्यक्रम में उन्होंने कहा, आज हमारे पास 157 हवाई अड्डे हैं। ...लेकिन अगले 20-25 वर्षों में जब हम 2047 में वास्तविक 'विकसित भारत' देखेंगे, तब हम हवाई अड्डों की संख्या को बढ़ाकर 350 करना चाहते हैं। उन्होंने केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत द्वारा 'चलो इंडिया' अभियान के तहत आने वाले समय में एक लाख विदेशी पर्यटकों को वीजा शुल्क से छूट दिए जाने की घोषणा के लिए पर्यटन मंत्रालय को बधाई दी।

नायडू ने कहा, साल 2014 में भारत में 4.6 करोड़ यात्री आए, और हवाई अड्डों की संख्या 74 से बढ़ाकर 157 हो जाने के बाद आज हम देश में लगभग सात करोड़ लोगों को आते हुए देख रहे हैं। इनमें से 35 प्रतिशत से अधिक लोग केवल छुट्टियों और मनोरंजन के लिए भारत आ रहे हैं। उन्होंने हवाई यात्रा को आम आदमी के करीब लाने के लिए नरेन्द्र मोदी सरकार की 'उड़ान' योजना की सराहना की।

एमसीडी की रिक्त सीट पर भाजपा ने जीत हासिल की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भाजपा ने दिल्ली नगर निगम की 18 सदस्यीय स्थायी समिति की एकमात्र रिक्त सीट पर शुक्रवार को निर्विरोध जीत हासिल की क्योंकि सत्तारूढ़ आप और कांग्रेस के पार्षदों ने चुनाव का बहिष्कार किया था।

भाजपा उम्मीदवार सुंदर सिंह को पार्टी के सभी 115 पार्षदों के वोट मिले, जबकि आप की निर्मला कुमारी को कोई वोट नहीं मिला।

स्थायी समिति दिल्ली नगर निगम के संबंध में निर्णय लेने वाली सर्वोच्च संस्था है।

इस चुनाव परिणाम के साथ, भाजपा के पास अब समिति में 10 सदस्य हैं जबकि सत्तारूढ़ आप के पास केवल आठ हैं।

यह पहली बार है कि चुनाव आप और कांग्रेस पार्षदों की भागीदारी के बिना हुआ।

भाजपा पार्षद कमलजीत सहरावत के पश्चिमी दिल्ली से लोकसभा सदस्य चुने जाने के बाद यह सीट खाली हो गई थी।

भारत ने उज्बेकिस्तान के साथ द्विपक्षीय निवेश संधि पर हस्ताक्षर किए

नई दिल्ली/भाषा। भारत और उज्बेकिस्तान ने शुक्रवार को द्विपक्षीय निवेश संधि (बीआईटी) पर हस्ताक्षर किए। इसका उद्देश्य दोनों देशों के निवेशकों का विश्वास बढ़ाना है। भारत सरकार और उज्बेकिस्तान सरकार के बीच बीआईटी पर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और उज्बेकिस्तान के उप प्रधानमंत्री खोदजायेव जमशेद अब्दुखाकिमोविच ने ताशकंद में हस्ताक्षर किए।

एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि बीआईटी प्रासंगिक अंतरराष्ट्रीय गतिविधियो के मद्देनजर भारत में उज्बेकिस्तान के निवेशकों और उज्बेकिस्तान में भारतीय निवेशकों को उचित सुरक्षा का भरोसा देता है।

इसमें कहा गया कि यह मध्यस्थता के माध्यम से विवाद निपटान के लिए एक स्वतंत्र मंच देगा और निवेशकों को गैर-भेदभाव का भरोसा देगा।

भाजपा जम्मू में आतंकवाद के फिर उभार के लिए जनता से माफी मांगे : उमर अब्दुल्ला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उधमपुर/जम्मू/भाषा। नेशनल कांफ्रेंस (नेकां) के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने शुक्रवार को कहा कि अपेक्षाकृत शांत रहने वाले जम्मू संभाग में हाल में हुए आतंकवादी हमले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की कथित नाकामी दिखाते हैं और पार्टी को जम्मू-कश्मीर की जनता से माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भाजपा ने केंद्र शासित प्रदेश में आतंकवाद के लिए नेकां, कांग्रेस और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) को जिम्मेदार ठहराकर पाकिस्तान को 'क्लीन चिट' दिया है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, ''जम्मू क्षेत्र में आतंकवाद की क्या स्थिति है जहां हमारे बहादुर बल के जवानों को अक्सर निशाना बनाया जाता है? भाजपा को पहले जवाब देना चाहिए कि 2014 के बाद जम्मू क्षेत्र में आतंकवाद क्यों फैला, खासकर पिछले तीन वर्षों में जब हमले बढ़े हैं।''

उन्होंने कहा, ''जम्मू का कोई ऐसा स्थान नहीं है जहां पर आतंकवादी हमले नहीं हुए हों, फिर चाहे चिनाब घाटी हो, पीर पंजाल क्षेत्र हो या रियासी, कठुआ,उधमपुर, जम्मू और सांबा हो... यह उनकी (भाजपा सरकार की) नाकामी को प्रतिबिंबित करता है और पार्टी को इसे स्वीकार कर जनता से माफी मांगनी चाहिए।''

उमर ने उधमपुर पूर्व विधानसभा सीट से पार्टी उम्मीदवार सुनील वर्मा के समर्थन में आयोजित जनसभा के इतर उमर ने संवाददाताओं से बातचीत के दौरान केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के बयान का संदर्भ दिया जिन्होंने नेकां, कांग्रेस और पीडीपी को जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद के लिए जिम्मेदार ठहराया है।

फर्जी रेलवे टेंडर के जरिए लोगों को ठगने वाली महिला गिरफ्तार, पति फरार

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली पुलिस ने रेलवे टेंडर और अन्य ठेके दिलाने के नाम पर लोगों को ठगने के आरोप में एक महिला को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मीनाक्षी अग्रवाल और उसके पति अभिषेक अग्रवाल को धोखाधड़ी के दो मामलों में अपराधी घोषित किया था और महिला के बारे में सूचना देने पर 25,000 रुपए का इनाम घोषित किया गया था। मीनाक्षी को बृहस्पतिवार को जयपुर से गिरफ्तार कर लिया गया, जबकि उसका पति अभी भी फरार है।

राकांपा (एसपी) नेता की पत्नी ने कलाम की तुलना लादेन से की, कार्रवाई की मांग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के नेता जितेंद्र आव्हाड की पत्नी रूटा आव्हाड की उस विवादित टिप्पणी की आलोचना हो रही है जिसमें उन्होंने आतंकवादी ओसामा बिन लादेन और पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम के बीच समानता बतायी। रूटा ने बृहस्पतिवार को ठाणे में बच्चों को संबोधित करते हुए यह विवादास्पद टिप्पणी की और बच्चों को सलाह दी कि वे लादेन की जीवनी पढ़ें ताकि वे समझ सकें कि वह आतंकवादी कैसे बना। उन्होंने कार्यक्रम में कहा, आपको ओसामा बिन लादेन की जीवनी अवश्य पढ़नी चाहिए। एपीजे अब्दुल कलाम का राष्ट्रपति बनना, ओसामा बिन लादेन के आतंकवादी बनने के समान ही है। लेकिन वह आतंकवादी क्यों बना? यह समाज ही था जिसने उसे ऐसा बनने पर मजबूर किया। अजित पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के पूर्व सांसद आनंद परांजपे ने शुक्रवार को लादेन और उसके आतंकवादी संगठन अलकायदा का 'महिमामंडन' करने के लिए रूटा आव्हाड के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। रूटा आव्हाड की टिप्पणी का जिक्र करते हुए भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा, '' 'इंडिया' गठबंधन के सभी दलों का आतंकवादियों के प्रति नरम रुख है।''

स्टालिन ने की प्रधानमंत्री मोदी से भेंट, मछुआरों की रक्षा के लिए दखल देने की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने शुक्रवार को नयी दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से भेंट की और उनसे तमिल मछुआरों की रक्षा के लिए दखल देने के अलावा चेन्नई मेट्रो एवं समेकित शिक्षा पहलों के लिए लंबित धन को शीघ्र जारी करने की मांग की।

द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के अध्यक्ष स्टालिन ने इस भेंट को 'उद्देश्यपूर्ण' बताया और तीन मुख्य मुद्दों पर प्रधानमंत्री के सामने विस्तृत रिपोर्ट पेश की। भेंट के बाद स्टालिन ने संवाददाताओं से कहा, प्रधानमंत्री ने बहुत ध्यान से बातें सुनीं। मुख्यमंत्री ने मोदी के समक्ष यह कहते हुए चेन्नई मेट्रो परियोजना के लिए फंड शीघ्र जारी की मांग की कि इस पर पहले ही 18,544 करोड़ रुपये अबतक खर्च हो चुके हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि 'राज्य सरकार चेन्नई मेट्रो के दूसरे चरण पर काम शुरू करना चाहती है और लंबित बकाया राशि का भुगतान न किए जाने से कार्य में देरी हो रही है।'

समेकित शिक्षा पहल के बारे में स्टालिन ने कहा कि केंद्र और राज्य के बीच 60: 40 अनुपात वाले इस कार्यक्रम की पहली किस्त रुकी हुई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि तमिलनाडु ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के सकारात्मक तत्वों को अपनाया है लेकिन उसने त्रिभाषा नीति को नहीं स्वीकार किया है। मुख्यमंत्री ने कहा, ''हमने सहमति पत्र में सुधार की मांग की है ताकि स्पष्ट रूप से कहा जा सके कि इसमें कोई भाषा थोपी नहीं जाएगी। श्रीलंका की नौसेना के हाथों गिरफ्तार कर लिये जाने वाले तमिल मछुआरों के दुख:दर्द की चर्चा करते हुए स्टालिन ने

मोदी से निजी दखल देने का अनुरोध किया और कहा कि मछली पकड़ने में इस्तेमाल 191 नौकाओं एवं 145 मछुआरों को पकड़ लिया गया है। उन्होंने अगले महीने कोलंबो में होने वाली भारत-श्रीलंका संयुक्त समिति की बैठक में इस मामले का समाधान निकालने की मांग की।

मोदी से मुलाकात के बाद स्टालिन ने कहा कि प्रधानमंत्री ने उन्हें तीनों मांगों पर विचार करने का आश्वासन दिया है। मोदी से मुलाकात के बाद स्टालिन ने कांग्रेस नेता सोनिया गांधी से भेंट की। उनकी यह मुलाकात 28 सितंबर को कांचीपुरम में प्रस्तावित विपक्ष की एक रैली से पहले हुई है। स्टालिन ने मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के दिवंगत नेता सीताराम येचुरी के परिवार से भी भेंट की। हाल में येचुरी का निधन हो गया था। स्टालिन बृहस्पतिवार शाम को राष्ट्रीय राजधानी पहुंचे थे। यहां पहुंचने पर उनका सांसद टी आर बालू, तिरुचि शिवा, दयानिधि मारन, के कनिमोझी, टी सुमति समेत द्रमुक नेताओं ने गर्मजोशी से स्वागत किया था।

माकपा निर्दलीय विधायक अनवर के साथ सभी संबंध समाप्त कर रही है : गोविंदन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/नई दिल्ली। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) की केरल इकाई के सचिव एमवी गोविंदन ने शुक्रवार को कहा कि उनकी पार्टी निर्दलीय विधायक पीवी अनवर के साथ सभी संबंध समाप्त कर रही है क्योंकि उन्होंने खुद ही सत्तारूढ़ वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) गठबंधन से अलग होने का फैसला किया है। नीलांबुर के विधायक अनवर ने हाल के दिनों में माकपा, वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) और मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के खिलाफ कई आरोप लगाए।

दिल्ली में एक संवाददाता सम्मेलन में गोविंदन ने कहा कि पार्टी अनवर के साथ अपने सभी संबंध समाप्त कर रही है, जो माकपा संसदीय दल के सदस्य हैं। गोविंदन ने कहा कि अनवर दक्षिणपंथ की राजनीतिक धुरी बन गए हैं और पार्टी के कार्यकर्ताओं को उनके खिलाफ आवाज उठानी चाहिए। गोविंदन ने स्पष्ट रूप से यह नहीं बताया कि पार्टी विधायक के खिलाफ क्या कार्रवाई करेगी। उन्होंने कहा कि अपनी गलती को सुधारे बिना अनवर ने घोषणा की है कि वह एलडीएफ का हिस्सा नहीं रहेंगे। गोविंदन ने कहा कि अनवर को पार्टी प्रणाली की समझ नहीं है तथा राज्य सरकार उनके द्वारा उठाए गए मुद्दों पर विचार कर रही है। इससे पहले विजयन ने अनवर के आरोपों को खारिज कर दिया और इन आरोपों को राज्य सरकार को बदनाम करने का प्रयास करार दिया था।

मुख्यमंत्री ने कहा, उन्होंने अपने बयानों से अपनी मंशा स्पष्ट कर दी है। उन्होंने स्पष्ट रूप से घोषणा की है कि वह एलडीएफ से दूरी बनाए रखेंगे और राज्य विधानसभा में इसके संसदीय दल की बैठक में शामिल नहीं होंगे।

बृहस्पतिवार को अनवर ने विजयन पर जनता को गुमराह करने का आरोप लगाया और मांग की कि वे गृह विभाग का प्रभार छोड़ दें। उन्होंने मुख्यमंत्री को राज्य में लगभग सोने की तस्करी के 180 मामलों की फिर से जांच करने का आदेश देने की चुनौती भी दी।

एडीजीपी अजित कुमार लंबे समय तक पद पर नहीं रहेंगे: भाकपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल में सत्तारूढ़ मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) की प्रमुख सहयोगी भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) ने शुक्रवार को कहा कि मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के करीबी अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजीपी) एम आर अजित कुमार अपने पद पर बने रहने के लायक नहीं हैं और लंबे समय तक वहां नहीं रहेंगे। यह बयान भाकपा के राज्य सचिव बिनॉय विश्वम ने दिया।

माकपा और विजयन के खिलाफ एक दिन पहले तीखे आरोप लगाने वाले निर्दलीय विधायक पी वी अनवर का जिक्र करते हुए भाकपा के राज्य सचिव ने कहा कि वह वामपंथी मूल्यों के संरक्षक नहीं हैं। पत्रकारों से बातचीत के दौरान विश्वम ने कहा कि भाकपा 'लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट (एलडीएफ)' का हिस्सा है और वामपंथी मूल्यों को मजबूती से कायम रखेगी। पत्रकारों द्वारा यह पूछे जाने पर कि क्या एडीजीपी के खिलाफ कोई कार्रवाई की जाएगी, विश्वम ने कहा कि अजित कुमार लंबे समय तक अपने पद पर नहीं रहेंगे। उन्होंने कहा, जो व्यक्ति समय-समय पर आरएसएस नेता से मिलता है और उनके साथ मित्रवत व्यवहार रखता है, वह एलडीएफ शासित केरल में एडीजीपी (कानून- व्यवस्था) के पद पर बने रहने के लिए योग्य या उपयुक्त नहीं है। भाकपा के राज्य सचिव ने कहा, आप निश्चिंत रहिए , वह लंबे समय तक इस पद पर नहीं रहेंगे। एडीजीपी अजित कुमार, अनवर द्वारा उनके खिलाफ लगाए गए तीखे आरोपों के बाद कई जांच का सामना कर रहे हैं।

न्यायमूर्ति श्रीराम कल्पति राजेंद्रन ने मद्रास उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ ली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। न्यायमूर्ति श्रीराम कल्पति राजेंद्रन ने शुक्रवार को मद्रास उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ ली। तमिलनाडु के राज्यपाल आर. एन. रवि ने यहां राजभवन में संक्षिप्त समारोह में राजेंद्रन को मुख्य न्यायाधीश पद की शपथ दिलाई। न्यायमूर्ति राजेंद्रन इससे पहले बंबई उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के तौर पर सेवा दे चुके हैं। वह न्यायमूर्ति आर. महादेवन की जगह लेंगे जिन्हें पदोन्नत कर उच्चतम न्यायालय में न्यायाधीश नियुक्त किया गया है।

न्यायमूर्ति डी. कृष्ण कुमार को इस साल जुलाई में न्यायमूर्ति महादेवन की पदोन्नति के बाद मद्रास उच्च न्यायालय का कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया गया था। 28 सितंबर, 1963 को मुंबई में जन्मे न्यायमूर्ति राजेंद्रन मूल रूप से केरल से हैं।

उच्चतम न्यायालय की कोलेजियम ने उन्हें मद्रास उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किए जाने की सिफारिश की थी और 21 सितंबर को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने इस पर अपनी सहमति दे दी। राज्यपाल ने नए मुख्य न्यायाधीश को पद की शपथ दिलाई, उन्हें राष्ट्रपति द्वारा हस्ताक्षरित नियुक्ति का वारंट सौंपा और उन्हें बधाई दी। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति कृष्ण कुमार, तमिलनाडु विधानसभा अध्यक्ष एम. अप्पावु, राज्य के जल संसाधन मंत्री दुरईमुरुगन और कई गणमान्य व्यक्तियों ने नए मुख्य न्यायाधीश को बधाई दी।

केरल के मुख्यमंत्री विजयन ने निर्दलीय विधायक अनवर द्वारा लगाए गए आरोप खारिज किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने निर्दलीय वामपंथी विधायक पी.वी. अनवर के लगाए गए आरोपों को खारिज करते हुए शुक्रवार को कहा कि उन्होंने राज्य में सत्तारूढ़ गठबंधन को बदनाम करने की कोशिशों के तहत ये आरोप लगाए हैं। विजयन ने दिल्ली में पत्रकारों से बात करते हुए कहा, वह अपने बयानों से अपने इरादे साफ कर चुके हैं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि वह एलडीएफ से दूरी बनाए रखेंगे और राज्य विधानसभा में होने वाली बैठक में शामिल नहीं होंगे।

विजयन ने कहा कि वह मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी, एलडीएफ और सरकार पर लगाए गए अनवर के आरोपों को खारिज करते हैं। उन्होंने कहा, यह एलडीएफ और सरकार को बदनाम करने की कोशिश का हिस्सा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अनवर द्वारा बृहस्पतिवार को लगाए गए आरोप एलडीएफ के खिलाफ विपक्ष के लगाए गए आरोपों के समान हैं। अनवर ने सत्तारूढ़ एलडीएफ के

साथ अपना संबंध लगभग समाप्त करते हुए बृहस्पतिवार को विजयन पर निशाना साधा था और उन पर जनता को गुमराह करने का आरोप लगाया । उन्होंने विजयन से गृह विभाग का प्रभार छोड़ने की मांग की थी। उन्होंने विजयन को राज्य में सोने की तस्करी के लगभग 180 मामलों की मौजूदा न्यायाधीश की निगरानी में फिर से जांच कराने का आदेश देने की चुनौती भी दी। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस अवैध रूप से विदेश से सोना लाने वालों का सोना जब्त करते समय उचित प्रक्रिया का पालन नहीं कर रही है। अनवर ने विजयन को 'धोखेबाज' तक कह दिया। नीलांबुर विधानसभा क्षेत्र से विधायक अनवर ने कहा कि राज्य में सत्तारूढ़ माकपा एडीजीपी एम. आर. अजितकुमार और मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव पी. शशि के खिलाफ लगाए गए विभिन्न आरोपों व शिकायतों के संबंध में उन्हें दिए गए आश्वासनों से मुकर गई है।

सिस्को ने चेन्नई में विनिर्माण संयंत्र का किया उद्घाटन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। सिस्को ने भारत में अपनी पहली विनिर्माण सुविधा का चेन्नई में शुक्रवार को उद्घाटन किया। कंपनी ने कहा, इस रणनीतिक निवेश से कंपनी संयुक्त निर्यात और घरेलू उत्पादन से सालाना 1.3 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक का उत्पादन करेगी। इस संयंत्र से तमिलनाडु में 1,200 नौकरियां उत्पन्न होने की उम्मीद है।

सिस्को ने चेन्नई में विनिर्माण सुविधा के निर्माण तथा विस्तार के लिए फ्लेक्स के साथ साझेदारी की है। फ्लेक्स, शुरुआत में सिस्को के नेटवर्क कन्वर्जेंस सिस्टम (एनसीएस) 540 श्रृंखला के राउटर पर ध्यान केंद्रित करेगी।

चेन्नई स्थित विनिर्माण सुविधा का उद्घाटन केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने किया। इस मौके पर सिस्को के अध्यक्ष तथा मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) चक रॉबिंस, सिस्को इंडिया तथा सार्क की प्रमुख डेजी चित्तिलापिल्ली और राज्य तथा स्थानीय सरकारी अधिकारी भी उपस्थित रहे।

त्रिशूर एटीएम लूट के संदिग्ध आरोपियों के साथ पुलिस मुठभेड़ में एक की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

त्रिशूर। केरल के त्रिशूर जिले में शुक्रवार को एक अज्ञात गिरोह ने तीन एटीएम को निशाना बनाया और करीब 70 लाख रुपये लूट लिए। पुलिस ने यह जानकारी दी। घटना का पता तब चला जब एटीएम के केंद्रीय नियंत्रण कक्ष से पुलिस को इस बारे में सूचित किया गया। पुलिस ने बताया कि गिरोह ने मप्राणम, त्रिशूर पूर्व और कोलाझी में भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के एटीएम को निशाना बनाया।

नगर पुलिस आयुक्त आर. इलांगो ने मीडियाकर्मियों से कहा, घटना देर रात दो बजे से सुबह चार बजे के बीच हुई। एक एटीएम ग्रामीण पुलिस थाना अंतर्गत इलाके में है जबकि दो अन्य नगर पुलिस थाना अंतर्गत इलाके में स्थित हैं। उन्होंने सीसीटीवी कैमरों को तोड़ दिया और एटीएम मशीन को काटने के लिए गैस कटर का इस्तेमाल किया। गिरोह के संबंध में पुलिस को कुछ सबूत मिले हैं और उसने पड़ोसी तमिलनाडु में भी जांच शुरू की है। पुलिस के

अनुसार, गिरोह सबसे पहले मप्राणम स्थित एटीएम पहुंचा और वहां से करीब 35 लाख रुपये लूटे। इसके बाद वे शहर पहुंचे और शोरनूर रोड स्थित एसबीआई एटीएम को निशाना बनाया तथा करीब 9.5 लाख रुपये लूट लिए। पुलिस ने बताया कि आखिरी बार उन्होंने एसबीआई की कोलाझी शाखा के एटीएम को निशाना बनाया, जहां से उन्होंने करीब 25 लाख रुपये लूटे। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

त्रिशूर में अज्ञात गिरोह ने तीन एटीएम से 70 लाख रुपये लूटे

नमक्कल। केरल में एटीएम लूट में शामिल संदिग्ध गिरोह के एक सदस्य को तमिलनाडु पुलिस ने शुक्रवार को उस समय मार गिराया जब वे जिले के कुमारपलायम में कारों और दोपहिया वाहनों को टक्कर मारने के बाद भागने का प्रयास कर रहे थे। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस की गोलीबारी में घायल एक अन्य व्यक्ति को सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

अधिकारी के अनुसार पुलिस ने जब गिरोह को घेर लिया तो बदमाशों ने कथित रूप से पुलिसकर्मियों पर गोलियां चलाईं। बताया जाता है कि इस गोलीबारी में एक इंस्पेक्टर सहित दो पुलिसकर्मी घायल हो गए। उन्हें भी सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सेलम रेंज की पुलिस उपमहानिरीक्षक (डीआईजी) ई. एस. उमा ने पत्रकारों से कहा, उन्होंने (गिरोह ने) ऐसी स्थिति पैदा कर दी कि पुलिस को भी गोली चलानी पड़ी। हमले में हमारे दो कर्मी घायल हो गए। उन्होंने कहा कि इस संबंध में विस्तृत जांच जारी है तथा आगे की जानकारी बाद में दी जाएगी। नमक्कल जिले के पुलिस अधीक्षक (एसपी) एस. राजेश कन्नन ने कहा कि पुलिस पर हमला करने के बाद गिरोह ने भागने की कोशिश की, जिसमें दो पुलिसकर्मी घायल हो गए। इससे पहले एक कंटेनर ट्रक का पीछा कर रही पुलिस ने शुरू में ड्राइवर को वाहन रोकने की चेतावनी दी।

एलडीएफ छोड़ने की बात कभी जानबूझकर नहीं कही : पीवी अनवर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मलप्पुरम/भाषा। केरल के निर्दलीय विधायक पी. वी. अनवर ने शुक्रवार को कहा कि उन्होंने कभी जानबूझकर नहीं कहा कि वह एलडीएफ या उसके विधायी दल को छोड़ रहे हैं और उनका ऐसा कोई भी बयान जुबान फिसलने जैसा है।

इससे पहले शुक्रवार को ही मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने दिल्ली में संवाददाताओं से कहा था कि नीलांबुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक अनवर ने अपनी मंशा स्पष्ट कर दी है कि वह वाम मोर्चा छोड़ रहे हैं। अनवर ने एक दिन पहले यहां अपने संवाददाता सम्मेलन का जिक्र करते हुए स्पष्ट किया कि उन्होंने कभी जानबूझकर यह नहीं कहा कि वह वाम मोर्चा या उसके विधायक दल को छोड़ रहे हैं। उन्होंने कहा, यदि मैंने ऐसा कहा है तो यह अनजाने में और मेरी जुबान फिसलने से हुआ। अनवर ने सवाल किया कि उन्होंने एडीजीपी एम. आर. अजितकुमार और विजयन के राजनीतिक सचिव पी. शशि पर जो आरोप लगाए हैं, विजयन उन्हें सही क्यों नहीं मान रहे हैं। उन्होंने कहा कि अब उनके सामने अगला विकल्प केरल उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाना है, ताकि उनके लगाए गए आरोपों व शिकायतों की अदालत के आदेश पर जांच हो सके। अनवर ने बृहस्पतिवार को मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा), वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) और विजयन पर निशाना साधते हुए उन पर जनता को गुमराह करने का आरोप लगाया था। उन्होंने विजयन से गृह विभाग का प्रभार छोड़ने की मांग की थी। उन्होंने विजयन को राज्य में सोने की तस्करी के लगभग 180 मामलों की मौजूदा न्यायाधीश की निगरानी में फिर से जांच कराने का आदेश देने की चुनौती भी दी।

उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस अवैध रूप से विदेश से सोना लाने वालों का सोना जब्त करते समय उचित प्रक्रिया का पालन नहीं कर रही है।

पुलिस ने बलात्कार के आरोपी अभिनेता सिद्दीकी की तलाश तेज की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। बलात्कार के एक मामले में आरोपी मलयालम अभिनेता सिद्दीकी का पता लगाने के लिए पुलिस ने उनकी तलाश तेज कर दी है और अभिनेता के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए समाचार पत्रों में लुकआउट नोटिस प्रकाशित किया है। वहीं, केरल उच्च न्यायालय ने बलात्कार के इस मामले में अभिनेता को अग्रिम जमानत देने से इनकार कर दिया है। समाचार पत्रों में प्रकाशित लुकआउट नोटिस में कहा गया है कि 65 वर्षीय सिद्दीकी बलात्कार एवं आपराधिक धमकी के मामले में आरोपी हैं। उनके बारे में जानकारी रखने वाला व्यक्ति तिरुवनंतपुरम शहर के पुलिस आयुक्त या तिरुवनंतपुरम रेंज के पुलिस उप महानिरीक्षक से संपर्क करे।

नोटिस में कहा गया है कि इन अधिकारियों के अलावा, सहायक पुलिस आयुक्त, स्वापक नियंत्रण प्रकोष्ठ, तिरुवनंतपुरम या म्यूजियम थाने से भी संपर्क किया जा सकता है। नोटिस में अभिनेता की तस्वीर के साथ-साथ उनका शारीरिक

विवरण देते हुए बताया गया है कि वह 5.7 फुट लंबे और अच्छी कद-काठी के हैं। सिद्दीकी ने बलात्कार के मामले में अग्रिम जमानत के लिए उच्चतम न्यायालय का रुख किया है, क्योंकि केरल उच्च न्यायालय ने मंगलवार (24 सितंबर) को उन्हें राहत देने से इनकार कर दिया था।

उच्च न्यायालय ने कहा था कि उन पर लगे आरोपों की गंभीरता को देखते हुए अपराध की उचित जांच के लिए उन्हें हिरासत में लेकर पूछताछ करना अनिवार्य है। अदालत ने कहा था कि सिद्दीकी ने अपने बचाव में घटना से ''पूरी तरह इनकार'' किया था। अभिनेता की अब तक पुंसत्व जांच (पोटेन्सी टेस्ट) भी नहीं हुई है और इस बात की वाजिब आशंका'' है कि वह गवाहों को डरा सकते हैं तथा सबूतों से छेड़छाड़ कर सकते हैं, इसलिए उन्हें राहत देने के लिए अदालत की विवेकाधीन शक्तियों का प्रयोग करने का यह उपयुक्त मामला नहीं था। सिद्दीकी पर धारा 376 (बलात्कार) और 506 (आपराधिक धमकी) के तहत अपराध का मामला दर्ज किया गया था। उन्होंने अपनी याचिका में दावा किया था कि शिकायतकर्ता अभिनेत्री उनके खिलाफ 2019 से उत्पीड़न और झूठे आरोपों का ''लंबा अभियान'' चला रही है और इसी के तहत अभिनेत्री यह मामला दर्ज कराया है। अपनी अग्रिम जमानत याचिका में उन्होंने आगे दावा किया कि अभिनेत्री पिछले पांच वर्षों से बार-बार 2016 में एक थिएटर में उनके द्वारा यौन दुर्व्यवहार किये जाने और मौखिक यौन प्रस्ताव' के निराधार और झूठे दावे करती रही हैं। सिद्दीकी ने अभिनेत्री द्वारा उनके खिलाफ लगाए गए आरोपों के बाद 'एसोसिएशन ऑफ मलयालम मूवी आर्टिस्ट्स' (एएमएमए) के महासचिव के पद से इस्तीफा दे दिया था।

न्यायमूर्ति के. हेमा समिति की रिपोर्ट में खुलासे के मद्देनजर विभिन्न निर्देशकों और अभिनेताओं के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोपों के बाद मलयालम फिल्म उद्योग की कई जानी-मानी हस्तियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। केरल सरकार ने 2017 में एक अभिनेत्री पर हमला मामले की जांच के लिए समिति का गठन किया था।

भावनगर : तमिलनाडु के 29 यात्रियों को ले जा रहा वाहन बाढ़ में फंसा, एनडीआरएफ ने बचाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भावनगर। गुजरात के भावनगर जिले में गुरुवार को तमिलनाडु के तीर्थयात्रियों को ले जा रही बस पुल पर फंस गई। एक नदी में आई बाढ़ की वजह से पानी पुल पर आ गया था हालात बेकाबू हो गए थे। जिसके बाद बचाव अभियान ने मशक्कत के बाद सबको बचाया। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की टीम ने मौके पर पहुंचकर राहत-बचाव कार्य शुरू किया। जानकारी के अनुसार वाहन में तमिलनाडु के 29 यात्री तीर्थ यात्रा पर थे, जिनका वाहन अचानक बाढ़ में फंस गए। सभी लोग जिंदगी और मौत के बीच झूल रहे थे। एनडीआरएफ टीम के तैराकों की एक विशेष टीम भी राहत कार्य में शामिल की गई। 8 तैराकों ने अपनी जान जोखिम में डालकर सभी तीर्थयात्रियों को सुरक्षित निकालने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

एनडीआरएफ की टीम की कड़ी मेहनत और समर्पण के बाद सभी 37 लोग, जिनमें 29 तीर्थयात्री और 8 तैराक शामिल थे, सुरक्षित बाहर निकाले गए। भावनगर आपदा प्रबंधन प्रभाग के उप मामलतदार सतीश जंबुचा ने बताया कि यह घटना उस समय हुई जब तमिलनाडु के तीर्थयात्रियों को लेकर बस भावनगर तालुका के कोलियाक गांव के पास के एक पुल को पार करने की कोशिश कर रही थी। जानकारी के अनुसार, तीर्थयात्री निष्कलंक महादेव मंदिर में दर्शन करने के बाद भावनगर की ओर जा रहे थे।

उन्होंने आगे कहा कि भारी बारिश के बाद पुल पर पानी भर गया था। बाढ़ग्रस्त पुल पर बस के फंसने के बाद रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। घटना के बाद बचावकर्मी एक ट्रक में सवार होकर घटनास्थल पर पहुंचे और बस की खिड़की के माध्यम से तीर्थयात्रियों को रेस्क्यू किया।

विधायक ने भाजपा में आए कांग्रेस पार्षदों का गंगाजल व गोमूत्र छिड़ककर शुद्धिकरण किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी के विधायक बालमुकुंद आचार्य ने पार्टी में शामिल हुए कांग्रेस पार्षदों का 'शुद्धिकरण' किया। आचार्य हाथोज धाम मंदिर के महंत भी हैं। उन्होंने हाल ही में हेरिटेज नगर निगम के महापौर कार्यालय का और कांग्रेस छोड़ कर भाजपा में आए पार्षदों का गंगाजल और 'गोमूत्र' छिड़ककर 'शुद्धिकरण' किया। यह वाकया बुधवार को हुआ जब जयपुर हेरिटेज नगर निगम की कार्यवाहक महापौर कुसुम यादव ने कार्यभार संभाला। तब महापौर कार्यालय में मौजूद महंत बालमुकुंद आचार्य ने 'शुद्धिकरण' किया।

इस दौरान मौजूद कांग्रेस पार्षदों ने कहा कि 'शुद्धिकरण' का उद्देश्य किसी को भ्रष्ट बताना नहीं था और हिंदू संस्कृति में यह एक सामान्य परंपरा है। वहीं कांग्रेस के एक नेता के अनुसार, विडंबना है कि भाजपा में शामिल होने वाले सभी लोग अपने 'पापों-अपराधों' से मुक्त हो जाते हैं। जयपुर हेरिटेज नगर निगम (जेएमसीएच) कार्यालय में बुधवार को विधायक ने भ्रष्टाचार से कार्यालय को प्रतीकात्मक रूप से शुद्ध करने और हाल ही में भाजपा में शामिल हुए कांग्रेस पार्षदों का स्वागत करने के लिए गंगाजल और गोमूत्र के मिश्रण का इस्तेमाल किया। यह कदम निगम की पूर्व महापौर मुनेश गुर्जर को भ्रष्टाचार के आरोपों के चलते पद से हटाए जाने के बाद उठाया गया है। उनकी जगह भाजपा ने कुसुम यादव को कार्यवाहक महापौर नियुक्त किया है। यादव को कांग्रेस के सात पार्षदों और भाजपा में शामिल हुए एक निर्दलीय पार्षद का भी समर्थन प्राप्त है।

यादव के औपचारिक रूप से पदभार ग्रहण करने से पहले बालमुकुंद आचार्य ने जेएमसीएच परिसर, पार्षदों और अधिकारियों के लिए 'शुद्धिकरण समारोह' आयोजित किया। वैदिक मंत्रों के साथ इसकी अगुवाई करने वाले आचार्य ने कहा, हमने निगम को गंगाजल से शुद्ध किया है, सभी अशुद्धियों को दूर किया है। अब, नई महापौर के कार्यभार संभालने के बाद हम पवित्रता के माहौल में काम करेंगे। अनुष्ठान के दौरान, आचार्य ने भाजपा में शामिल होने वाले कांग्रेस पार्षदों पर प्रतीकात्मक रूप से गंगाजल और गोमूत्र का मिश्रण छिड़का और दावा किया कि इस शुद्धिकरण अनुष्ठान ने उन्हें सनातनी में बदल दिया है।

आचार्य ने कहा, उनकी सारी अशुद्धता या भ्रष्टाचार साफ हो गया। उन्होंने कहा कि नगर निगम के अधिकारी भी शुद्धिकरण प्रक्रिया से गुजरे। आचार्य ने कहा, वे अशुद्धता के प्रभाव में थे, भ्रष्टाचार में लिप्त होने के लिए मजबूर थे। लेकिन अब, इस समारोह के बाद, वे शुद्ध हो गए हैं और ईमानदारी और निष्ठा के साथ काम करेंगे। इस असामान्य अनुष्ठान ने कुछ लोगों को चौंका दिया। लेकिन उपस्थित पार्षदों में से एक मनोज मुदगल ने कहा कि इस अनुष्ठान का उद्देश्य निगम को भ्रष्टाचार और नकारात्मकता से मुक्त करना था। उन्होंने कहा, हिंदू संस्कृति में शुद्धिकरण के लिए गंगाजल और गोमूत्र का उपयोग करना सामान्य प्रथा है। एक अन्य पार्षद पारस जैन ने उनका समर्थन करते हुए कहा, आचार्य कार्यालय को भ्रष्टाचार से मुक्त करने के लिए अनुष्ठान कर रहे थे।

कुछ लोगों ने सवाल उठाया कि क्या अनुष्ठान का मतलब यह है कि पार्षद भ्रष्टाचार में लिप्त थे। कांग्रेस पार्षद सुशीला देवी ने स्पष्ट किया कि उनका उद्देश्य किसी को भ्रष्ट करार देना नहीं था। उन्होंने कहा, वे केवल हमें नहीं, बल्कि पूरे परिसर को शुद्ध कर रहे थे। आचार्य ने खुद पत्रकारों से बात करते हुए इस बात पर जोर दिया कि यह अनुष्ठान जेएमसीएच के लिए एक नई शुरुआत का प्रतीक है। उन्होंने दावा किया, आज से यह निगम भ्रष्टाचार मुक्त है। कांग्रेस के प्रदेश महासचिव स्वर्णिम चतुर्वेदी ने कहा कि यह अजीब बात है कि कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल होने वाले सभी लोग अपने 'पापों' से मुक्त हो जाते हैं। उन्होंने कहा, राज्य और केंद्र में भाजपा के नेता पहले कांग्रेस नेताओं पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हैं। उन्हें प्रवर्तन निदेशालय, आयकर विभाग और केंद्रीय जांच ब्यूरो केंद्रीय जांच एजेंसियों द्वारा धमकाया जाता है, लेकिन जब वे भाजपा में शामिल होते हैं तो वे अपने अपराधों से मुक्त हो जाते हैं।

संजीवनी सोसायटी मामले में एसओजी ने अदालत में 'यू टर्न' लिया : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने संजीवनी क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसाइटी मामले में अदालत द्वारा केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी निरस्त करने संबंधी याचिका का निपटारा किए जाने को लेकर विशेष कार्य समूह (एसओजी) पर निशाना साधा है। गहलोत ने 900 करोड़ रुपये से अधिक के संजीवनी क्रेडिट सोसायटी भ्रष्टाचार मामले में शेखावत को घेरा था। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस के विशेष कार्य समूह (एसओजी) ने अदालत में 'यू-टर्न' ले लिया। राजस्थान उच्च न्यायालय ने बुधवार को इस मामले में केंद्रीय मंत्री शेखावत को बड़ी राहत देते हुए उनके खिलाफ दर्ज प्राथमिकी निरस्त करने संबंधी याचिका का निपटारा कर दिया। गहलोत ने इसके बाद उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन कर इस प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराए जाने की मांग की है।

गहलोत ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर बृहस्पतिवार शाम लिखा, संजीवनी प्रकरण को लेकर केन्द्रीय मंत्री शेखावत द्वारा दायर एक मुकदमे में उच्च न्यायालय का फैसला वर्तमान में अदालत के सामने एसओजी द्वारा रखे गए तथ्यों के आधार पर आया है। राज्य में सत्ता परिवर्तन के बाद एसओजी ने उच्च न्यायालय में 'यू-टर्न' ले लिया। पूर्व मुख्यमंत्री के अनुसार, इस मामले के जांच अधिकारी (आईओ) को भी हटा दिया गया एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा नामित सरकारी वकीलों ने भी केन्द्रीय मंत्री का ही पक्ष लिया। इस सबके बावजूद उच्च न्यायालय ने मंत्री की याचिका के अनुरूप प्राथमिकी को रद्द नहीं किया है। उच्च न्यायालय ने कहा कि निचली अदालत की इजाजत लेकर आगे कार्रवाई की जा सकती है।

गहलोत ने कहा, एसओजी ने 12 अप्रैल 2023 को राजकीय अधिवक्ता को लिखे गए पत्र में इस मामले की तथ्यात्मक रिपोर्ट भेजी, जिसके पेज नंबर सात पर केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र शेखावत एवं उनके परिजनों की अपराध में संलिप्तता की बात लिखी है और उन्हें आरोपी माना गया है। इस रिपोर्ट में लिखा है कि जिन कंपनियों की संलिप्तता संजीवनी घोटाले में है उनसे शेखावत का सीधा संबंध है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने लिखा कि इस मामले के कई पीड़ितों ने उनसे मुलाकात की जिसके बाद उन्होंने एसओजी से इस मामले की जानकारी मांगी। एसओजी ने राज्य के गृहमंत्री के रूप में मुझे इन तथ्यों एवं इस प्रकरण की प्रगति से अवगत करवाया। गहलोत ने कहा कि उनका गजेन्द्र शेखावत के प्रति कोई व्यक्तिगत द्वेष नहीं है। उन्होंने कहा कि एसओजी से मिली जानकारी के आधार पर ही उन्होंने मीडियाकर्मियों के सामने शेखावत एवं उनके परिजनों पर लगे आरोपों की जानकारी रखी। उन्होंने कहा शेखावत ने कल भी अपने बयानों में अपनी दिवंगत माताजी पर लगे आरोपों का जिक्र किया। मैं उनकी माताजी का सम्मान करता हूं लेकिन राज्य के गृहमंत्री के रूप में मेरे सामने लाए गए तथ्यों को पीड़ितों एवं जनता के सामने रखना मेरा कर्तव्य था। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि अब राज्य में सरकार बदलने के बाद एसओजी पर भाजपा सरकार ने दबाव बनाया, जिसके कारण एसओजी ने अदालत में 'यू-टर्न' लिया और इन्हें आरोपी नहीं माना। कांग्रेस नेता ने मांग की कि उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में विशेष जांच दल गठित कर इस प्रकरण की जांच की जाए जिससे पता चले कि कांग्रेस शासन में एसओजी द्वारा गलत जांच की गई या अभी दबाव में एसओजी ने गलत रिपोर्ट तैयार की है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार के समय इस मामले में एसओजी ने 'फॉरेंसिक ऑडिट' तक करवाकर भी जांच की थी। उन्होंने कहा, मेरा उद्देश्य लाखों पीड़ितों के लिए न्याय सुनिश्चित कर उनकी मेहनत की कमाई उनको वापस दिलवाना है। यह मामला वर्ष 2008 में राजस्थान सोसाइटी अधिनियम के तहत पंजीकृत संजीवनी क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसाइटी से जुड़ा है। संजीवनी क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड ने राजस्थान में 211 और गुजरात में 26 शाखाओं सहित भारत के कई अन्य राज्यों में भी अपनी शाखाएं खोलीं, जिसमें करीब 1,46,993 निवेशकों से कथित तौर पर 953 करोड़ रुपये से अधिक की निवेश राशि हासिल कर ठगी की गई।

पौधारोपण

शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने रामगंज मंडी विधानसभा क्षेत्र के राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-52 पर सुकेत टोल पर 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधारोपण किया।

विश्व पर्यटन दिवस : पर्यटकों का तिलक लगा और माला पहनाकर किया स्वागत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। विश्व पर्यटन दिवस पर शुक्रवार को राजधानी के पर्यटन स्थलों व संग्रहालयों पर देशी-विदेशी सैलानियों का राजस्थानी परंपरानुसार स्वागत सत्कार किया गया। पर्यटकों का तिलक लगाकर और माला पहनाकर स्वागत किया गया। पर्यटन स्थलों पर लोगों को निशुल्क प्रवेश दिया गया। इस अवसर पर शहर के आमेर महल, हवा महल, जंतर मंतर सहित सभी पर्यटन स्थलों पर राजस्थानी लोकरंग की छटा बिखरी रही है। विदेशी पर्यटक कालबेलिया कलाकारों के साथ नाचते भी नजर आए। इन सभी पर्यटन स्थलों पर लोक कलाकारों की ओर से कालबेलिया नृत्य, कच्ची घोड़ी नृत्य, कठपुतली नृत्य, बहरुपिया, शहनाई वादन आदि मनमोहक प्रस्तुतियां सुबह से ही दी गईं। इस वर्ष का विश्व पर्यटन दिवस विभाग की ओर से टूरिज्म एण्ड पीस (पर्यटन और शांति) की थीम पर मनाया गया।

पर्यटन आयुक्त विजयपाल सिंह ने बताया कि विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर विभाग की ओर से कई कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है, इन कार्यक्रमों की श्रंखला के तहत मुख्य कार्यक्रम अल्बर्ट हॉल पर आयोजित की जाने वाली सांस्कृतिक संध्या है। इसमें उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुई। अल्बर्ट हॉल पर आयोजित इस सांस्कृतिक संध्या में दर्शकों को जयपुर घराने का परम्परागत कथक व राजस्थानी लोक नृत्यों की जुगलबंदी देखने को मिली। अपने आप में अनूठी कोरियोग्राफी से सजी इस सांस्कृतिक संध्या के दौरान कालबेलिया व घूमर नृत्य की भी प्रस्तुतियां दी गईं। इस अवसर पर आरटीडीसी जोधपुर के मारवाड़ हॉल का वर्चुअल उद्घाटन उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी की ओर से किया गया।

उन्होंने कहा कि पर्यटन विभाग घरेलू और विदेशी पर्यटकों को राज्य पर्यटन की ओर आकर्षित करने के लिए समय समय कई ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन करता है, जिससे वह राजस्थान की लोक कला व संस्कृति और स्वागत-सत्कार का अनुभव कर सके और राजस्थान से अमिट यादगार लेकर अपने राज्य व देशों को लौट सकें।

विभाग के उपनिदेशक उपेंद्र सिंह शेखावत ने बताया कि पर्यटन दिवस के अवसर पर जयपुर की विरासत के प्रति जागरुकता एवं ईको-टूरिज्म को बढ़ावा देने के उदेश्य से आमेर के सागर पर सफाई अभियान चलाया गया। इसमें काफी संख्या में लोगों और वॉलियंटर्स ने हिस्सा लिया। इसके साथ ही आमेर महल में पर्यटन एवं पर्यटक विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी का मुख्य उद्देश्य आमेर महल के पर्यटन में नवाचार एवं नवीन संभावनाओं को तलाशना एवं पर्यटको की संख्या में बढ़ोतरी करने संबंधित उपायों पर चर्चा किया जाना है। विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर राजधानी के सभी पर्यटक स्थलों पर पर्यटकों की नि शुल्क एंट्री रही। निशुल्क प्रवेश होने के कारण पर्यटक भी बड़ी संख्या में पर्यटक स्थल देखने पहुंचे।

ट्रैक्टर-ट्रॉली की चपेट में आने से दो भाइयों की मौत

जयपुर। राजस्थान की राजधानी जयपुर के शिवदासपुरा थाना क्षेत्र में शुक्रवार सुबह ट्रैक्टर-ट्रॉली की टक्कर से बाइक सवार दो भाइयों की मौत हो गयी।

पुलिस के अनुसार खेतापुरा गांव में बजरी से भरी तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्रॉली ने एक मोटरसाइकिल को चपेट में ले लिया, जिससे मोटरसाइकिल पर सवार घासी कोली (35) और मुकेश कोली (28) की घटनास्थल पर ही मौत हो गयी। घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने जेसीबी मंगवाकर ट्रॉली के नीचे दबे दोनों युवकों को बाहर निकाला।

मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीण एकत्र हो गये तथा शव को रखकर सड़क जाम की तथा प्रदर्शन किया।

गौ-वंश के सुरक्षा एवं विकास को लेकर राजस्थान सरकार प्रतिबद्ध है : कुमावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। गोपालन एवं पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत ने कहा कि राजस्थान सरकार गौ-वंश की सुरक्षा एवं विकास को लेकर प्रतिबद्ध है। कुमावत शुक्रवार को बालोतरा के समदड़ी क्षेत्र की ग्राम पंचायत करमावास के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में 68 वीं वॉलीबाल और वेट लिफ्टिंग प्रतियोगिता के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे।

उन्होने कहा कि राजस्थान सरकार पशुपालकों के कल्याण के लिए विभिन्न प्रकार की योजनाएं चला रही है। राज्य सरकार द्वारा करमावास गांव के पशु उपकेंद्र को पशु अस्पताल में बदलने की घोषणा की गई है। उन्होने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि को 6 हजार रूपये से बढ़ाकर 8 हजार रूपये बढ़ाने का कार्य किया गया है। इसके साथ ही प्रदेश में अनेक प्रकार के विकास कार्य करवाये जा रहे है। इससे पूर्व सिवाना विधायक हमीर सिंह भायल ने केङ्बिनेट मंत्री जोराराम कुमावत का स्वागत कर क्षेत्र की मुख्य मांगो से प्रभारी मंत्री को अवगत करवाया। उन्होने गांव के भामाशाहों का आभार प्रकट कर सभी विजेताओं को पुरस्कार वितरण के साथ बधाई भी दी।

प्राचीन दुर्गा माता मंदिर में शारदीय नवरात्रि महोत्सव की तैयारी पूर्ण

जयपुर। दुर्गापुरा स्थित प्राचीन दुर्गा माता मंदिर में शारदीय नवरात्रि महोत्सव अश्विन शुक्ल पक्ष प्रतिपदा तीन अक्टूबर से नवमी बारह अक्टूबर तक मनाया जाएगा। तीन अक्टूबर को अश्विन शुक्ल पक्ष प्रतिपदा को प्रातः सात से सवा सवा बजे तक महंत महेंद्र भट्टाचार्य के सानिध्य में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ ही अखण्ड ज्योति प्रज्वलित कर नवरात्रा का मंगल घट स्थापना ब्रह्म मुहूर्त में किया जाएगा। जिसके पश्चात दुर्गा सप्तशती का पाठ होगा। प्रथम नवरात्रि को शैल पुत्री के रूप में माता की पूजा की जाएगी। इसी तरह नौ दिनों तक ब्रह्मचारिणी, चन्द्रघंटा, कूष्माण्डेति, स्कंदमाता, कात्यायनी, कालरात्रि, महागौरी व सिद्धिदात्री नवदुर्गा के रूप में पूजा की जाएगी। नौ दिनों तक सप्तशती के पाठ होगा और माता के दर्शन लाभ होंगे ।

धनखड़ ने धर्मांतरण पर कहा

'शुगर कोटेड फिलॉसफी' बेची जा रही है, कमजोर तबकों को निशाना बनाया जा रहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने बृहस्पतिवार को कहा कि देश में सुनियोजित तरीके से धर्मांतरण हो रहा है जो हमारे मूल्यों और संवैधानिक सिद्धांतों के विपरीत है। धनखड़ ने साथ ही कहा कि 'शुगर कोटेड फिलॉसफी' बेची जा रही है और समाज के कमजोर वर्गों को निशाना बनाया जा रहा है। धनखड़ ने परोक्ष रूप से कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर हमला करते हुए कहा कि जो लोग सनातन धर्म में विश्वास नहीं करते और इसे संकट मानते हैं, वे मूर्खता के प्रतीक हैं।

उपराष्ट्रपति ने यहां हिंदू आध्यात्मिक एवं सेवा मेला 2024 में उद्घाटन भाषण में कहा कि यह बहुत खतरनाक है और यह नीतिगत, संस्थागत और सुनियोजित साजिश के तहत हो रहा है। धनखड़ ने कहा 'शुगर कोटेड फिलॉसफी' बेची जा रही है। आदिवासियों सहित समाज के कमजोर वर्गों को निशाना बनाया जा रहा है और उन्हें प्रलोभन दिया जा रहा है। उन्होंने कहा, हम धर्म परिवर्तन देख रहे हैं और यह हमारे मूल्यों और संवैधानिक सिद्धांतों के विपरीत है। ऐसी भयावह ताकतों को बेअसर करने की तत्काल आवश्यकता है। हमें सतर्क रहना चाहिए और तेजी से कार्य करना चाहिए। आप कल्पना नहीं कर सकते कि वर्तमान में भारत को खंडित करने में सक्रिय लोगों की सीमा कितनी है।

धनखड़ ने किसी का नाम लिए बगैर कहा, मैं इस बात से चिंतित हूं कि कुछ लोगों को देश और विदेश में उन लोगों के साथ बैठने का साहस कहां से मिलता है जो राष्ट्र के हित में नहीं हैं। उन्होंने कहा, जो लोग इस राष्ट्र को तोड़ना चाहते हैं, जो सनातन को नहीं मानते और जो सनातन को संकट मानते हैं, वे मूर्खता की पराकाष्ठा हैं...।

उन्होंने कहा कि यह चुप रहने का समय नहीं है यह सदी भारत की है, यह सदी सनातन धर्म की भूमि की है। धनखड़ ने यह भी कहा कि संविधान की प्रस्तावना सनातन धर्म का सार दर्शाती है। उन्होंने कहा, हमारे संवैधानिक मूल्य सनातन धर्म से निकले हैं। संविधान की प्रस्तावना सनातन धर्म का सार दर्शाती है। सनातन समावेशी है! सनातन ही मानवता को आगे बढ़ाने का एकमात्र रास्ता है। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम वर्तमान समय में अत्यंत प्रासंगिक है।

उन्होंने कहा कि हमारे सामने कुछ ऐसे मुद्दे हैं जो चुनौतीपूर्ण हैं, जिनका समाधान विश्व को भारत ही दे सकता है। धनखड़ ने कहा, आज भी हिंदू समाज में सेवा का भाव प्रबल रूप से विद्यमान है। जब देश में कोविड का संकट आया, हमने देखा कि यह भाव कितना प्रबल रहा। उपराष्ट्रपति ने कहा कि आक्रमणकारी आएं, विदेशी ताकतें आईं, उनका शासन रहा फिर भी हमारे सेवा संस्कार में कोई कमी नहीं रही। लोग इस पथ पर चलते रहे।

जनता का विश्वास, प्यार और आस्था ही उनके जीवन की प्रेरणा है : राज्यपाल

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े का शुक्रवार को महाराष्ट्र स्थित छत्रपति संभाजी नगर में भव्य नागरिक अभिनंदन किया गया। केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने उन्हें रामचंद्र मंदिर (मठ) बालाजी ट्रस्ट गाउण्ड पर अपार जनसमूह के मध्य आयोजित भव्य समारोह में 'देवगिरी गौरव' सम्मान से विभूषित किया। बागड़े को महाराष्ट्र के विभिन्न भागों से आए लाखों की संख्या में उपस्थित समूह ने भावभरा अभिनंदन करते हुए उनके लिए स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन की कामना करते हुए 'अभिष्टचिंतन' किया। उन्हें प्रदत्त 'देवगिरी गौरव' प्रशस्ति पत्र में उनके सार्वजनिक जीवन के अंतर्गत किए गए कार्यों को स्मरण करते हुए उन्हें महाराष्ट्र के गौरव से अलंकृत किया गया।

गडकरी ने इस अवसर पर कहा कि राज्यपाल बागड़े जमीन से जुड़े लोकप्रिय व्यक्तित्व हैं। कृषि, सहकारिता और विभिन्न अन्य विषयों में गहन दृष्टि के साथ सार्वजनिक जीवन में शुचिता के मूल्यों के साथ उन्होंने सदा आदर्शों की स्थापना की है। अन्य वक्ताओं ने भी उनके ओजपूर्ण व्यक्तित्व, राष्ट्रीयता के सरोकारों की चर्चा करते हुए उनके सार्वजनिक जीवन को बहुत महत्वपूर्ण बताते हुए उनका मन से अभिनंदन किया।

जम्मू कश्मीर के लोगों ने गोलियों को खारिज कर मतपत्रों को चुना : नड्डा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जे पी नड्डा ने शुक्रवार को कहा कि जम्मू कश्मीर में बिना किसी हिंसा के शांतिपूर्ण चुनाव हो रहे हैं क्योंकि लोगों ने शांति एवं विकास पर ध्यान केंद्रित करते हुए गोलियों को खारिज कर मतपत्रों को चुना है। नड्डा ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि कश्मीर के युवा राष्ट्रीय मुख्यधारा में शामिल हो गये हैं और उन्होंने आतंकवाद एवं हिंसा को खारिज कर दिया है।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा, '' यह ऐतिहासिक अवसर है जब जम्मू कश्मीर के लोगों ने गोलियों को खारिज कर मतपत्रों को चुना है । उन्होंने गोलियों को करारा जवाब दिया है।'' वर्तमान चुनाव में अपनी पार्टी के प्रत्याशियों के वास्ते प्रचार करने जम्मू पहुंचे नड्डा ने कहा, ''(पिछले दो चरणों में) मतदान शांतपूर्ण संपन्न हो गया। इस बार कोई हिंसा, गोलीबारी या आतंकवादी हमला नहीं हुआ।'' उन्होंने चुनाव को जम्मू कश्मीर में शांति एवं विकास की जीत बताया। उन्होंने कहा, '' पिछले दो चरणों में मतदान ने दिखा दिया है कि जम्मू कश्मीर के लोग शांति, स्थायित्व और विकास चाहते हैं। हम इस चुनाव को इसी तरह देख रहे हैं।''

देश ही नहीं, दुनिया भर के पर्यटकों को अपनी ओर लुभा रहा है उत्तर प्रदेश : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेशवासियों को शुभकामना देते हुए शुक्रवार को कहा कि प्रदेश आज देश ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के पर्यटकों को अपनी ओर लुभा रहा है।

मुख्यमंत्री योगी ने 'विश्व पर्यटन दिवस' पर अपने पांच कालिदास मार्ग स्थित आवास पर पत्रकारों से बातचीत में कहा कि बीते साल 46 करोड़ से अधिक पर्यटक उत्तर प्रदेश आए और अब उप्र धार्मिक, आध्यात्मिक, हेरिटेज और ईको टूरिज्म का हब बन चुका है। यहां जारी एक बयान के अनुसार मुख्यमंत्री ने उम्मीद जताई कि अगले साल मकर संक्रांति से 26 फरवरी तक प्रयागराज में लगने वाले 'महाकुंभ2025' के दौरान 40 करोड़ से अधिक श्रद्धालु आएंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत की आध्यात्मिक और धार्मिक परंपरा का हृदय स्थल उत्तर प्रदेश आज देश ही नहीं बल्कि दुनियाभर के पर्यटकों को लुभाने में सफल हुआ है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजनरी नेतृत्व में गत वर्ष उप्र में 46 करोड़ से अधिक

पर्यटकों ने राज्य के अलग-अलग धार्मिक आध्यात्मिक, ईको टूरिज्म या हेरिटेज टूरिज्म के स्थलों का भ्रमण किया है।

योगी ने कहा कि ये पर्यटक उप्र के अंदर केवल पर्यटन की दृष्टि से नहीं आते बल्कि रोजगार सृजन में भी इनकी बड़ी भूमिका है। पर्यटन गतिविधियां विरासत और विकास के बेहतरीन समन्वय को आगे बढ़ाने का काम करती हैं। उन्होंने कहा, ''आध्यात्मिक पर्यटन की दृष्टि से देखें तो रामायण सर्किट, कृष्ण सर्किट, बौद्ध सर्किट, जैन सर्किट आदि हमारे पास हैं। आज काशी में बाबा विश्वनाथ धाम करोड़ों पर्यटकों को आकर्षित कर रहे हैं। अयोध्या, वृंदावन, गोकुल, बरसाना ने दुनिया भर के पर्यटकों को आकर्षित किया है।'' उन्होंने बताया कि बौद्ध पर्यटन की दृष्टि से सारनाथ, कुशीनगर, श्रावस्ती, कौशाम्बी, संकिसा दुनिया भर के बौद्ध श्रद्धालुओं को आकर्षित कर रहा है। वहीं जैन टूरिज्म की दृष्टि से उप्र में अनेक संभावनाएं हैं।

योगी ने कहा कि अयोध्या जैन तीर्थंकरों की जन्मस्थली है, काशी की पावन धरा पर अनेक जैन तीर्थंकर अवतरित हुए थे। कुशीनगर की पावा नगरी जैन तीर्थंकरों की पावन धरा के रूप में आज भी हमारे लिए पूज्य बनी हुई है। विश्व का सबसे बड़ा आध्यात्मिक और सांस्कृतिक आयोजन प्रयागराज कुंभ दुनियाभर के श्रद्धालुओं को अपनी ओर आकर्षित कर रहा है। उन्होंने पर्यटन के विविध क्षेत्रों की विस्तार से चर्चा करते हुए कहा कि सरकार पर्यटकों की सुविधा और रुचि के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है।

झारखंड में भारी भ्रष्टाचार, बिना पैसे के कुछ नहीं होता: शिवराज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को झारखंड की झामुमो नीत गठबंधन सरकार पर विभिन्न योजनाओं के लिए राज्य को भेजे गए केंद्रीय धन का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया और कहा कि मनरेगा के लिए मिले धन के उपयोग की जांच शुरू की जाएगी।

केंद्रीय कृषि मंत्री ने झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) नीत सरकार पर सीधा हमला करते हुए उसे पेपर लीक सरकार करार दिया और उस पर युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने का आरोप लगाया।

लातेहार में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की परिवर्तन रैली को संबोधित करते हुए सिंह ने कहा, झारखंड में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार है, बिना पैसे के यहां कुछ नहीं होता। हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली सरकार ने विभिन्न योजनाओं के लिए आए केंद्रीय धन

का जमकर दुरुपयोग किया। हम मनरेगा में अनियमितताओं की गहन जांच शुरू करेंगे। उन्होंने कहा कि लोग झामुमो नीत गठबंधन को उसके कुशासन के लिए कभी माफ नहीं करेंगे। उन्होंने मतदाताओं से इस वर्ष के अंत में होने वाले 81 सदस्यीय झारखंड विधानसभा के चुनावों में इस सरकार को सत्ता से बाहर करने का आग्रह किया।

चौहान ने कहा, आबकारी पुलिस भर्ती अभियान के दौरान कुव्यवस्था के कारण 16 युवकों की मौत हो गई। हेमंत सोरेन सरकार के अत्याचार, आतंक और कुशासन के कारण लोग लगातार भय में जी रहे हैं। उन्होंने कहा, पूरा देश देख रहा है कि कैसे झामुमो झारखंड के युवाओं को सुनहरे भविष्य के सपने दिखाकर उनकी सांसें छीन रही है। सत्ता के मद में अंधी हो चुकी सरकार को युवाओं का दर्द, उनकी बेबसी नहीं दिख रही।

चौहान ने वादा किया कि अगर भाजपा राज्य में सत्ता में आती है तो वह 'सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना' के तहत लोगों को मुफ्त सौर ऊर्जा उपलब्ध कराएगी। इसके अलावा झामुमो नीत सरकार की 'मंईयां सम्मान योजना' के 1000 रुपए प्रतिमाह की तुलना में महिलाओं को मिलने वाला मासिक मानदेय दोगुना कर 2,000 रुपए प्रति माह किया जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि हेमंत सोरेन की 'मंईयां सम्मान योजना' भाजपा शासित मध्य प्रदेश की 'लाडली बहना योजना' की नकल है।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने यह भी वादा किया कि अगर भाजपा राज्य में सत्ता में आई तो सभी को शौचालय युक्त घर और गैस कनेक्शन दिया जाएगा।

उत्तर प्रदेश के बदायूं में संदिग्ध जंगली जानवरों के पदचिन्ह मिलने से ग्रामीण डरे

बदायूं/भाषा। उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले में तेंदुए और भेड़िये के आतंक के बीच जिले के कादरचौक थाना इलाके में ग्रामीण अब कृषि क्षेत्रों में संदिग्ध जंगली जानवरों के पैरों के निशान मिलने से डरे हुए हैं। वन विभाग के अधिकारियों ने शुक्रवार को इसकी पुष्टि की।

कादरचौक थाना इलाके के नूरपुर गांव निवासी किसान यादराम और महिपाल सिंह समेत स्थानीय लोगों ने दावा किया कि ये निशान तेंदुआ या भेड़िये की मौजूदगी का संकेत देते हैं। यह सूचना मिलने के बाद वन विभाग की एक टीम ने मौका-मुआयना करने के बाद उसे सियार के पद चिन्ह होने का दावा किया है। वन विभाग की रेंजर आकांक्षा गुप्ता ने शुक्रवार को बताया कि सदर तहसील के कादरचौक क्षेत्र के गांव नूरपुर के लोगों ने खेतिहर क्षेत्र में कुछ पंजों के निशान देखे। इसके बाद गांव वासियों के बीच तेंदुआ आने का शोर मच गया। गुप्ता ने बताया कि मामले की जानकारी मिलने पर टीम को लेकर गांव के जंगलों और गांव वालों के साथ उन जगहों की छानबीन की गयी जहां पदचिन्ह पाये गये थे। रेंजर गुप्ता ने टीम के साथ पैरों के निशानों की जांच की और नमूने एकत्र किए। उन्होंने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि उन्हें सतर्क रहना चाहिए, लेकिन इस बात पर जोर दिया कि तेंदुआ या भेड़ियों को लेकर चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है, क्योंकि पैरों के निशान कुत्ते या सियार के होने का संकेत देते हैं।

झारखंड में 'मंईयां सम्मान योजना' जारी रहेगी : कल्पना ने महिलाओं को दिया भरोसा

जमशेदपुर/भाषा। झामुमो विधायक कल्पना सोरेन ने शुक्रवार को झारखंड की महिलाओं को आश्वासन दिया कि 'मंईयां सम्मान योजना' बिना किसी रुकावट के जारी रहेगी और उन्होंने भाजपा के उस बयान के प्रति आगाह किया जिसमें इस योजना को चुनावी स्टंट बताया गया है। पूर्वी सिंहभूम जिले के बोड़ाम में मंईयां सम्मान योजना यात्रा को संबोधित करते हुए उन्होंने विस चुनावों के मद्देनजर कार्यक्रम के भविष्य के बारे में गलत सूचना फैलाने के लिए भाजपा सहित विपक्षी दलों की आलोचना की। सोरेन ने प्रकाश डाला कि झारखंड के गठन के बाद पहली बार मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने इस पहल को शुरू करके 18-50 वर्ष की महिलाओं के कल्याण को प्राथमिकता दी है, जिसके तहत राज्य की आधी महिला आबादी को 1,000 रुपए प्रति माह प्रदान किया जाता है। उन्होंने भाजपा के इस दावे को खारिज कर दिया कि चुनाव के बाद यह कार्यक्रम समाप्त कर दिया जाएगा।

केंद्र समग्र विकास के लिए जल्द पर्यटक स्थलों की 'मास्टर सूची' जारी करेगा : शेखावत

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने शुक्रवार को कहा कि सरकार जल्द ही पर्यटक स्थलों के समग्र विकास के लिए एक 'समर्पित मास्टर सूची' जारी करेगी और यह 'अतुल्य भारत' के अविश्वसनीय स्थलों को वैश्विक मंच पर सामने लाने का एक नया प्रयास होगा। विश्व पर्यटन दिवस के उपलक्ष्य में यहां विज्ञान भवन में पर्यटन मंत्रालय द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में अपने संबोधन में शेखावत ने यह भी कहा कि 'चलो इंडिया' अभियान के तहत आने वाले समय में एक लाख विदेशी पर्यटकों को वीजा शुल्क से छूट दी जाएगी।

उन्होंने अपने मंत्रालय की एक पहल 'पर्यटन मित्र और पर्यटन दीदी' शुरू करने की भी घोषणा की जो देशभर के 50 पर्यटक स्थलों तक विस्तृत है। इन गंतव्यों में अंडमान और निकोबार द्वीप समूह का श्री विजय पुरम (पहले पोर्ट ब्लेयर), बिहार में बोधगया, दिल्ली, गुजरात में अहमदाबाद और केवडिया, जम्मू-कश्मीर में श्रीनगर और झारखंड में रांची शामिल हैं। विश्व पर्यटन दिवस हर साल एक विशेष विषय (थीम) के साथ मनाया जाता है। इस वर्ष का विषय 'पर्यटन और शांति' है। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उप-राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने विकास और वैश्विक सद्भाव को बढ़ावा देने में पर्यटन की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। शेखावत ने कहा कि पर्यटन एक ऐसा क्षेत्र है जो हर किसी को जोड़ता है और संस्कृतियों और देशों के बीच की दूरी को पाटता है। मंच पर केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू और पर्यटन राज्य मंत्री सुरेश गोपी भी मौजूद थे। शेखावत ने कहा, ''हम इस सूची को सार्वजनिक करेंगे ताकि निजी निवेश और उद्योगों के हितधारक भी इसमें योगदान दे सकें... और 'देखो अपना देश' साइट को भी इसमें शामिल किया जाएगा।'' 'देखो अपना देश' अभियान शुरू होने के बाद घरेलू पर्यटन में एक 'बड़ा उछाल' दिखा है।

कपड़ा क्षेत्र में 2030 तक छह करोड़ रोजगार सृजित करने का खाका तैयार : गिरिराज सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि सरकार ने 2030 तक वस्त्र क्षेत्र में 4.5-6 करोड़ रोजगार सृजित करने के लिए खाका तैयार किया है। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र के बाजार का आकार इस समय 165 अरब डॉलर से बढ़ाकर 350 अरब डॉलर करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

कपड़ा मंत्रालय के 100 दिवसीय कार्यक्रम पर एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए सिंह ने कहा, ''हमने जो 100 दिवसीय मसौदा तैयार किया है, उसमें आगे चलकर वस्त्र क्षेत्र में लाखों करोड़ रुपए का निवेश आकर्षित करना शामिल है। हमने 2030 तक 4.5 करोड़ से छह करोड़ रोजगार सृजित करने के लिए मसौदा तैयार किया है।'' उन्होंने कहा कि पहले स्वीकृत सात पीएम-मित्र एकीकृत मेगा कपड़ा पार्कों के पूरी तरह से चालू होने पर 70,000 करोड़ रुपए का निवेश होगा, जिससे 21 लाख नौकरियां पैदा होंगी। मंत्री ने पिछली कांग्रेस नीत सरकारों पर कटाक्ष करते हुए कहा कि वे पहले तीन महीनों में कुछ नहीं करती थीं, जबकि मोदी सरकार ने 100 दिन के मसौदे के साथ शुरुआत की है। सिंह ने कहा, ''पहले जब नई सरकार बनती थी, तो 3 महीने तक वे अभद्र भाषा का प्रयोग करते थे। जो वे (राहुल गांधी का स्पष्ट संदर्भ देते हुए) इस समय विदेश में कर रहे हैं। दूसरी ओर, मोदी सरकार ने पहले 3 महीनों में विकास का खाका तैयार किया है।''

भ्रष्टाचार से कोई समझौता नहीं : मुख्यमंत्री माझी ने जिलाधिकारियों से कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने यहां लोक सेवा भवन में आयोजित जिलाधिकारियों के दो दिवसीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए शुक्रवार को कहा कि उनकी सरकार का भ्रष्टाचार के खिलाफ अटल रुख है कि इससे समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने इसी के साथ ओडिशा के आदिवासियों, दलितों और हाशिये पर रह रहे अन्य समुदायों की समस्याओं का समाधान करने पर ध्यान केंद्रित करने का आह्वान किया।

माझी ने कहा, ''भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार में भ्रष्टाचार से समझौते का कोई सवाल ही नहीं है। मैंने महसूस किया है कि पिछले प्रशासन में देरी के कारण महत्वपूर्ण अनियमितताएं और परियोजना लागत में वृद्धि हुई थी।'' उन्होंने जिलाधिकारियों से कहा कि उनके संज्ञान में कोई अनियमितता सामने आती है तो उनकी जांच करें। मुख्यमंत्री ने कहा, '' हम किसी भी स्तर पर भ्रष्टाचार को बर्दाश्त नहीं करेंगे। जहां तक मेरा सवाल है तो यह मेरी ओर से स्पष्ट संदेश है।'' उन्होंने जिला प्राधिकारियों को दोबारा आश्वस्त किया कि विकास कार्य के लिए धन उपलब्ध है लेकिन परियोजनाओं को लागू करने में देरी की उन्होंने आलोचना की।

मुझे एक इंस्पेक्टर ने थाने से 'बाहर निकलने' के लिए कहा था: ओडिशा के मुख्यमंत्री माझी

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने अतीत की एक घटना का जिक्र किया जब एक पुलिस निरीक्षक ने उन्हें थाने से ''बाहर निकल जाने'' को कहा था। माझी ने दो दिवसीय कलेक्टर सम्मेलन का उद्घाटन करने के बाद यह टिप्पणी की। मुख्यमंत्री बनने से बमुश्किल एक महीने पहले हुए घटनाक्रम की चर्चा करते हुए माझी ने कहा कि क्योंझर निर्वाचन क्षेत्र में रायसुआन और गोपीनाथपुर पंचायत के निवासियों ने दो मई को राष्ट्रीय राजमार्ग-20 को अवरुद्ध कर पेयजल संकट को लेकर विरोध प्रदर्शन किया था और उस समय ओडिशा में चुनाव जारी था। माझी ने उन्हें आश्वासन दिया कि वह उनकी चिंताओं को विभाग के कार्यकारी अभियंता के समक्ष उठाएंगे। हालाँकि, जब तत्कालीन प्रभारी निरीक्षक त्रिनाथ सेठी ने प्रदर्शनकारियों को थाने में आमंत्रित किया, तो उन्होंने विधायक के रूप में माझी की भूमिका की उपेक्षा करते हुए वहां उनकी उपस्थिति पर सवाल उठाया। माझी ने कहा, ''इंस्पेक्टर ने आदर्श आचार संहिता लागू होने की बात कहते हुए थाने में मेरी उपस्थिति पर सवाल उठाया और कहा कि 'बाहर निकल जाओ', अन्यथा गिरफ्तार कर लूंगा।'' उन्होंने सवाल किया, ''क्या एक विधायक, जो उम्मीदवार भी हो, लोगों की समस्याओं को लेकर थाने नहीं जा सकता?''

रमेश ने पर्यावरण संबंधी संसदीय समिति के अध्यक्ष कलिता पर तंज कसा

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने पर्यावरण से संबंधित संसद की स्थायी समिति के प्रमुख भुवनेश्वर कलिता पर शुक्रवार को तंज कसते हुए कहा कि उन्होंने (रमेश) राज्यसभा में कांग्रेस के मुख्य सचेतक के रूप में उनका स्थान लिया था और अब वह स्थायी समिति के अध्यक्ष के रूप में उनकी जगह लेंगे। कलिता पांच अगस्त, 2019 को अचानक राज्यसभा की सदस्यता से इस्तीफा देकर भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए थे। उसी दिन जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 को निष्प्रभावी बनाने से संबंधित विधेयक संसद में लाया गया था। वह उस समय सदन में कांग्रेस के मुख्य सचेतक थे। उनके जाने के बाद कांग्रेस ने यह जिम्मेदारी रमेश को सौंपी। अब राज्यसभा के अंतर्गत आने वाली विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन संबंधी स्थायी समिति की अध्यक्षता भाजपा सांसद कलिता को सौंपी गई है। रमेश इस समिति में सदस्य हैं, हालांकि इससे पहले वह इस समिति की अध्यक्षता कर रहे थे।

उप्रः टेस्ट मैच के दौरान कानपुर स्टेडियम के अंदर बांग्लादेशी प्रशंसक की पिटाई

कानपुर (उप्र)/भाषा। कानपुर के ग्रीन पार्क स्टेडियम में शुक्रवार को भारत-बांग्लादेश क्रिकेट टेस्ट मैच देख रहे एक बांग्लादेशी प्रशंसक की कथित तौर पर पिटाई कर दी गई, जिसके बाद उसे अस्पताल ले जाया गया। पुलिस सूत्रों के अनुसार, इस बांग्लादेशी प्रशंसक को 'टाइगर रॉबी' के नाम से जाना जाता है। वह बाघ की वेशभूषा में था और स्टेडियम की सी ब्लॉक बालकनी में खड़ा था, जहां यह घटना हुई। 'पीटीआई-वीडियो' के एक क्लिप में देखा जा सकता है कि चिकित्सा अधिकारी और सुरक्षाकर्मी बांग्लादेशी प्रशंसक को स्टेडियम से बाहर ले जा रहे हैं। बाद में, उन्होंने उसे एक कुर्सी पर बिठाया और पानी पिलाया। वीडियो क्लिप में देखा जा सकता है कि प्रशंसक ने इशारा किया कि उसकी पीठ के निचले हिस्से पर मुक्का मारा गया है।

बांग्लादेश के खिलाफ बारिश से प्रभावित पहले दिन आकाश दीप और अश्विन ने किया प्रभावित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कानपुर/भाषा। तेज गेंदबाज आकाश दीप (34 रन पर दो विकेट) अपनी शुरुआती स्पैल में प्रभावी रहे तो वही ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हसन शंटो को चलता कर बारिश से प्रभावित दूसरे टेस्ट मैच के पहले दिन शुक्रवार को भारत को मजबूत स्थिति में रखा।

मौसम के पूर्वानुमान से पहले से ही बारिश की संभावना थी और शुरुआती दिन सिर्फ 35 ओवर को खेल संभव हो सका। दिन का खेल खत्म होने तक बांग्लादेश ने तीन विकेट पर 107 रन बना लिए थे। इस समय मुशफिकुर रहीम (छह) और

मोमिनुल हक (40) क्रीज पर मौजूद थे। बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हसन शंटो ने इस दौरान अच्छी बल्लेबाजी की लेकिन अश्विन की गेंद पढ़ने में नाकाम रहे और 31 रन बनाकर पगबाधा हो गये। बीती रात बारिश होने के कारण आउटफील्ड गीली हो गई थी जिससे दिन का खेल एक घंटे की देर से शुरू हुआ था। भारत ने अपनी अंतिम एकादश में कोई बदलाव नहीं किया जिससे स्थानीय स्पिनर कुलदीप यादव को एक बार फिर बाहर बैठना पड़ा। बादल की आंखमिचौली के बीच तेज गेंदबाजों की अनुकूल परिस्थितियों में भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने टॉस जीतकर बांग्लादेश को बल्लेबाजी का न्योता दिया। आकाशदीप वामहस्त बल्लेबाजों के लिए 'राउंड द विकेट' गेंदबाजी करते हुए गेंद को दोनों ओर स्विंग कराने में सफल रहे। उनकी सटीक लाइन लेंथ से सामंजस्य बैठाने में बांग्लादेश के बल्लेबाजों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज ने शुरुआती ओवरों से ही बांग्लादेश के सलामी बल्लेबाजों जाकिर हसन (शून्य) और शदमन इस्लाम (24) को परेशान किया। हसन ने अतिरक्षात्मक रवैया अपनाया तो वहीं इस्लाम ने रन बनाने के मौकों को पूरी तरह से भुनाया।

बुमराह की बाहर निकलती गेंदें कई बार स्टंप और बल्ले के बाहरी किनारे के करीब से गुजरी तो वहीं सिराज की गेंद बल्ले से टकराने के बाद स्लिप में खड़े क्षेत्ररक्षकों तक पहुंचने से पहले ही टप्पा खा गयी।

प्रधानमंत्री के 'एकाधिकार मॉडल' ने नौकरियां छीन लीं, एमएसएमई को तबाह कर दिया: राहुल

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'एकाधिकार मॉडल' ने नौकरियां छीन लीं तथा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उपक्रमों (एमएसएमई) को तबाह कर दिया है। राहुल ने पिछले दिनों जम्मू-कश्मीर में स्टार्टअप उद्यमियों से मुलाकात की थी और आज इसका वीडियो 'एक्स' पर साझा किया। राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''जम्मू-कश्मीर के एक युवा स्टार्टअप मालिक की आंखों में निराशा भारत के अधिकांश उद्यमियों और छोटे-व्यवसाय मालिकों के संघर्ष को दर्शाती है। 'मोदी जी के एकाधिकार मॉडल' ने नौकरियां छीन ली हैं, एमएसएमई को तबाह कर दिया है और लोगों को अवसरों से वंचित कर दिया है।'' उन्होंने दावा किया कि खराब जीएसटी और नोटबंदी जैसी अक्षम नीतियों के माध्यम से छोटे और मध्यम उद्योगों पर व्यवस्थित हमले ने भारत को उत्पादक अर्थव्यवस्था से उपभोक्ता अर्थव्यवस्था में बदल दिया है। उनका कहना था, ''इस दर पर हम न तो चीन से प्रतिस्पर्धा कर सकते हैं और न ही सभी भारतीयों के लिए समृद्धि सुनिश्चित कर सकते हैं।'' राहुल गांधी ने कहा, ''भारत बेहतर का हकदार है। हमें व्यापक अवसर और रोजगार सृजन को बढ़ावा देने के लिए जीएसटी को सरल बनाना चाहिए और छोटे व्यवसायों के लिए बैंकिंग प्रणाली को खोलना चाहिए।''

सुविचार

जिंदगी संवारनी है तो लोगों की नहीं, खुद की सुननी शुरू कर दो!

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कागजी शेर

भारतीय पर्वतारोहियों द्वारा अरुणाचल प्रदेश की एक चोटी का नाम छठे दलाई लामा के नाम पर रखे जाने के बाद चीन का नाराजगी जताना अनुचित है। इन पर्वतारोहियों ने अपने देश में स्थित एक चोटी का नाम महान आध्यात्मिक गुरु के नाम पर रखा है। ऋषियों और संतों का सम्मान करना हमारी संस्कृति है। चीन को इस पर ऐतराज क्यों है? उसकी सरकार का न तो अध्यात्म के साथ कोई संबंध है और न ही अरुणाचल प्रदेश से कोई लेना-देना है! दूसरों के मामलों में टांग अड़ाना चीन की आदत हो गई है। उसके नेता और अधिकारी यह भी जानने की कोशिश नहीं करते कि वे जिस जमीन पर दावा कर रहे हैं, उसका इतिहास क्या है! राष्ट्रीय पर्वतारोहण एवं साहसिक खेल संस्थान (एनआईएमएएस) की टीम ने जिस चोटी पर चढ़ाई की, उस पर आज तक कोई नहीं गया था। यह निश्चित रूप से उसकी बहुत बड़ी उपलब्धि है, जिसकी प्रशंसा की जानी चाहिए। उसने चोटी का नाम छठे दलाई लामा त्सांगयांग ग्यात्सो के नाम पर रखा, जिनका जन्म अरुणाचल प्रदेश के तवांग में हुआ था। इस नामकरण से भारत एवं तिब्बत के आध्यात्मिक संबंध और गहरे होंगे। साथ ही, देश-विदेश के लोगों को त्सांगयांग ग्यात्सो के बारे में पता चलेगा। इससे चीन का नाजायज दावा भी कमजोर पड़ेगा, जिसकी अरुणाचल प्रदेश पर दशकों से कुदृष्टि है। एनआईएमएएस की उक्त कामयाबी पर चीन इसलिए भी भड़क रहा है, क्योंकि यह संस्थान रक्षा मंत्रालय के अंतर्गत काम करता है। भारत की रक्षा से जुड़े लोग बुलंदियों तक पहुंचेंगे तो चीन क्यों नहीं भड़केगा? चीन एक ओर तो दलाई लामा के बारे में दुष्प्रचार करता है, तिब्बतवासियों की आवाज दबाने के लिए क्रूरतापूर्वक पूरी ताकत लगाता है, दूसरी ओर अरुणाचल प्रदेश पर इस आधार पर दावा करता है, क्योंकि छठे दलाई लामा का जन्म यहां हुआ था! यह तो बीजिंग का घोर पाखंड है।

चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान का अरुणाचल प्रदेश को 'जांगनान' कहना भी हास्यास्पद है। क्या मनमर्जी के नाम थोपने से कोई इलाका चीन का हो जाएगा? चीन ने अप्रैल 2023 में एक और शिगूफा छोड़ा था, जिसके तहत अरुणाचल प्रदेश के कुछ स्थानों को चीनी नाम दे दिए थे। वास्तव में ऐसी हरकतें भारत पर मनोवैज्ञानिक दबाव डालने की चालें हैं। चीन चाहता था कि इसके जवाब में भारत की ओर से सिर्फ नरम-नरम बयान आएं, जबकि भारत सरकार ने न केवल सख्त शब्दों में ऐतराज जताया, बल्कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अरुणाचल प्रदेश के किबिथू गांव में 'वाइब्रेंट विलेज' कार्यक्रम की शुरुआत भी कर दी थी। इससे चीन को स्पष्ट संदेश मिल गया था कि उसकी 'गीदड़ भभकियां' यहां नहीं चलेंगी। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान के इन शब्दों में इतिहास के संबंध में उनका अज्ञान (जो बीजिंग ने भरा है) झलकता है कि 'भारत के लिए चीनी क्षेत्र में 'अरुणाचल प्रदेश' स्थापित करना अवैध और अमान्य है'! लिन महाशय को चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के अधकचरे साहित्य के बजाय ऐसी किताबें पढ़नी चाहिएं, जिनमें इतिहास की सही-सही और निष्पक्ष जानकारी हो। अरुणाचल प्रदेश तो हमेशा से ही भारत का रहा है। यह भारत का अभिन्न अंग है। यहां के मंदिर, मठ, ऐतिहासिक स्थल, परंपराएं, कथाएं, बोलियां ... सबकुछ विशुद्ध रूप से भारतीय हैं। उनका चीन से कोई संबंध नहीं है। यह योग एवं ध्यान की भूमि है। यहां के कण-कण में भारतीय दर्शन एवं अध्यात्म है। भारत सरकार को चाहिए कि वह समय-समय पर अरुणाचल प्रदेश के विभिन्न स्थानों का नामकरण भारतीय संतों, दार्शनिकों, महापुरुषों, सुधारकों और योद्धाओं के नाम पर करती रहे। इससे लोगों को उन दिव्य आत्माओं के बारे में जानने का अवसर मिलेगा। वहीं, चीनी कम्युनिस्ट पार्टी की छटपटाहट भी खुलकर सामने आएगी। दुनिया को पता चलेगा कि चीन एक कागजी शेर है, जिसके आका कोरी बयानबाजी से ज्यादा कुछ नहीं कर सकते। ऐसे कार्यक्रमों में तिब्बती समुदाय को खास तौर से शामिल किया जाए।

ट्वीटर टॉक

आज रेवाड़ी विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी लक्ष्मण यादव जी के समर्थन में जाटव बस्ती, आदर्श नगर में आयोजित जनसभा को संबोधित कर उनके पक्ष में मतदान करने तथा भाजपा को भारी मतों से जिताने की अपील की।

-अर्जुनराम मेघवाल

सनातन संस्कृति के प्रखर स्वर, सेवा व त्याग की प्रतिमूर्ति श्रद्धेय अशोक सिंघल जी की जयंती पर उन्हें स्मरण कर नमन करता हूँ। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर निर्माण में उनका योगदान और आपातकाल के दौरान लोकतंत्र की स्थापना के लिए उनके संघर्ष अविस्मरणीय हैं।

-जेपी नड्डा

भाजपा के वरिष्ठ नेता, पूर्व केंद्रीय मंत्री स्व श्री जसवंत सिंह जी जसोल की पुण्यतिथि पर उन्हें सादर नमन। स्व. श्री जसवंत सिंह जी ने अनेक महत्वपूर्ण राजनीतिक पदों को सुशोभित करते हुए देश के विकास में अपना अमूल्य योगदान दिया।

-वसुंधरा राजे

प्रेरक प्रसंग

देशप्रेम का नमक

वर्ष 1930 में नमक सत्याग्रह आंदोलन के दौरान मुंबई में खासी गहमागहमी थी। अंग्रेज आंदोलनकारियों को पकड़ते, जमकर पीटते और ले जाकर जेल में बंद कर देते थे। इसी दौरान एक दिन बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में एक दक्षिण भारतीय महिला दनदनाते हुए घुस आई। उस महिला और उसके साथ आए लोगों ने स्टॉक एक्सचेंज में नमक की पुड़िया बेचनी शुरू कर दी। उन्होंने घंटे भर में नमक की पुड़िया बेचकर चालीस हजार रुपये इकट्ठा कर लिए। मामले की सूचना पुलिस को मिली तो उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। मजिस्ट्रेट ने उनसे पूछा, 'नमक कानून क्यों तोड़ा?' महिला ने जवाब दिया, 'देश हमारा, हवा हमारी, पानी हमारा, नमक हमारा, तुम फिरंगी कौन होते हो हमसे यह पूछने वाले?' जवाब सुनकर मजिस्ट्रेट उन्हें जेल भेजने के लिए फैसला लिखने लगा। पांच मिनट के अंदर कोर्ट रूम में शोर मच गया। मजिस्ट्रेट ने नजर उठाई तो देखा कि महिला कोर्ट रूम में ही नमक बेचने लगी थी। अब मजिस्ट्रेट बोला, 'मैं कुछ ही दिन के लिए जेल भेज रहा था, मगर अब आपको नौ महीने का कठिन कारावास दिया जाता है।'

सामयिक

सोशल मीडिया से बच्चों को दूर रखना क्यों जरूरी?

आर.के. सिन्हा

अगर आप अपने आसपास किसी भी उम्र के इंसान से अनौपचारिक बात कर लें, तब आपको पता चल जाएगा कि आज के समय सोशल मीडिया का लत हमारे सारे समाज को दीमक की तरह खा रहा है। इसकी गिरफ्त में नादान बच्चे खासतौर पर आ चुके हैं। ऑस्ट्रेलिया सोशल मीडिया के उपयोग के लिए न्यूनतम आयु सीमा लागू करने पर विचार कर रहा है। वहां पर 14 से 16 साल के बच्चों तक को सोशल मीडिया से दूर रखा जा सकता है। इसका उद्देश्य बच्चों को डिजिटल उपकरणों पर अत्यधिक समय बिताने की बजाय खेल कूद के मैदान से जोड़ना है। क्या इस तरह का कोई कदम भारत में नहीं उठाया जाना चाहिए ? यह जानने के लिए रॉकेट साइंट पढ़ने की जरूरत नहीं है कि सोशल मीडिया ने हमारे अपने देश में बच्चों को खेलों के मैदानों और अपने परिवार के सदस्यों और दोस्तों तक से भी दूर कर दिया है। आप अपने घर और आसपास के बच्चों को देख लें। वे फेसबुक, व्हाटअप, इंस्टा आदि से चिपके रहते हैं। आप देश के किसी भी शहर के किसी स्टेडियम में चले जाइये। वहां पर बुजुर्ग सैर करते हुए तो मिल जाएँगे पर आपको बच्चे बहुत ही कम संख्या में खेलते हुए मिलेंगे। हालांकि आज से बीसेक साल पहले तक राजधानी दिल्ली से लेकर छोटे शहरों के सारे मैदानों में बच्चे खेलते-कूदते नजर आ जाते थे। राजधानी के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम, तालकटोरा स्टेडियम, नेशनल स्टेडियम और दूसरे मैदानों में बच्चे प्रैक्टिस करते हुए खूब पसीना बहाते थे। वह अपने कोचों की देखरेख में प्रेक्टिस कर रहे होते थे। पर पिछले कुछ वर्षों से देख लें क्या हो गया है बच्चों।का हाल। जब बच्चे खेलेंगे ही नहीं तो देश को ओलंपिक, एशियाई खेलों और राष्ट्रमंडल खेलों में पदक कहां से मिलेंगे? क्या कोई हमें पदक मुफ्त में ही दे देगा?

चीन में भी नाबालिगों के सोशल मीडिया के उपयोग पर रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक कानूनी रूप से रोक लगा दी गई है। यह सही है कि आज के समय में सोशल मीडिया हमारे जीवन का एक अभिन्न हिस्सा बन गया है। लेकिन, इसका अंधाधुंध इस्तेमाल, खासकर बच्चों के लिए, बहुत खतरनाक साबित हो रहा है। सोशल मीडिया से बच्चे मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं, साइबरबुलिंग, ऑनलाइन शोषण, और अनेकों प्रकार के व्यसनों का शिकार हो रहे हैं। इसलिए, बच्चों को इन दुष्प्रभावों से बचाना हमारी अहम जिम्मेदारी हो गई है।

बच्चों को सोशल मीडिया के दुष्प्रभावों से बचाने के लिए कुछ जरूरी कदम तो उठाने ही होंगे। उदाहरण के रूप में सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म की उम्र सीमा का पालन हो और बच्चों को उचित आयु तक इन प्लेटफ़ॉर्म का उपयोग करने से रोका जाए। बच्चों के लिए उचित आयु सीमा वाले विशेष ऐप्स और वेबसाइटों का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करना भी जरूरी है। मैं मानता हूं कि समय आ गया है कि माता- पिता और स्कूल के अध्यापकों को बच्चों से सोशल मीडिया के बारे में नियमित रूप से खुली बातचीत करें। उन्हें इसके फायदे और नुकसान दोनों के बारे में बताया जाये। हमें बच्चों की ऑनलाइन गतिविधियों के बारे में भी लगातार प्यार से पूछताछ करनी चाहिए। उन्हें खेलों के अलावा संगीत, नृत्य या किसी अन्य मनोरंजक गतिविधियों से जोड़ा जा सकता है। नोएडा में भारतीय फुटबॉल टीम के पूर्व खिलाड़ी अनादि बरूआ बच्चों को फुटबॉल की कोचिंग देते हैं। इसी तरह से साउथ दिल्ली में मशहूर बैडमिंटन खिलाड़ी और बैडमिंटन रैफरी तुलसी दुरेजा बच्चों को बैडमिंटन के गुर बताते-सिखाते हैं। अनादि बरूआ और तुलसी दुरेजा जैसे पूर्व खिलाड़ी देश के सभी छोटे-बड़े शहरों में कोचिंग दे रहे हैं। यह बहुत मामूली सी फीस लेते हैं। माता-पिता को चाहिए कि वह इस तरह के नामी खिलाड़ियों के पास अपने बच्चों को ले जाएं। जाहिर है कि जब बच्चे खेलेंगे तो उनके पास सोशल मीडिया के लिए वक्त ही नहीं बचेगा।

बच्चों को सोशल मीडिया से दूर रखना एक कठिन काम हो सकता है, लेकिन यह उनके कल्याण के लिए महत्वपूर्ण है। मैं मानता हूं कि अगर परिवार के सदस्य पहले की तरह एक साथ खाने, खेलने और बातचीत में समय व्यतीत करें तो भी सोशल मीडिया से दूरी बनाई जा सकती है। याद करें उस दौर की जब सारा परिवार घर के मुखिया के साथ सुबह-शाम को साथ बैठकर भोजन करता था। अब कितने परिवारों में भोजन सब मिल-बैठकर साथ-साथ करते हैं। अब तो परिवार के प्रत्येक सदस्य के लिए भोजन भी अलग-अलग तरह का पक रहा होता है। यानी घर अब होटल बन गया है। जैसे होटल के अलग-अलग कमरों में ठहरने वाले लोग रूम सर्विस से अपने पसंद का खाना मँगवाते है, वही अब घरों में भी होने लगा है ! क्या पहले यह होता था? यह तो भारतीय संस्कार नहीं थे।

यह किसी को बताने की जरूरत नहीं है कि बच्चे अपने माता-पिता के व्यवहार से ही सीखते हैं। यदि आप खुद सोशल मीडिया का लगातार इस्तेमाल करते हैं, तो बच्चों के लिए इसका उपयोग सीमित करना मुश्किल होगा। बच्चों के माता-पिता और अभिभावकों को चाहिए कि सोशल मीडिया के उपयोग के बारे में अपने व्यवहार से एक अच्छा उदाहरण स्थापित करने का प्रयास करें। अब घर के बड़े सदस्य भी फेसबुक या इंस्टा पर अपनी फोटो डाल रहे होते हैं। उसके बाद कई उत्साही लोग तो अपने दोस्तों को फोन भी करते हैं कि उनकी पोस्ट पर लाइक या कमेंट करें। जब अभिभावक ही सोशल मीडिया को दिन-रात वक्त देने लगे हैं तो वह अपने बच्चों को इससे कैसे दूर कर सकेंगे। उन्हें इस बारे में गंभीरता से सोचना होगा। आप अपने घर के सदस्यों पर डाइनिंग रूम या बेडरूम में सोशल मीडिया से जुड़ने पर रोक लगा सकते हैं।

आप अपने बच्चों से बात कर सकते हैं कि सोशल मीडिया को बहुत वक्त देना क्यों सही नहीं है। उन्हें साइबरबुलिंग के बारे में बताएं। अब यह भी जान लें कि साइबरबुलिंग क्या है? दरअसल साइबरबुलिंग डिजिटल तकनीकों के इस्तेमाल से की जाने वाली बदमाशी है। यह सोशल मीडिया, मैसेजिंग प्लेटफ़ॉर्म, गेमिंग प्लेटफ़ॉर्म और मोबाइल फोन पर हो सकती है। इसका उद्देश्य लोगों को डराना या शर्मिंदा करना है। अब आप इसे कुछ उदाहरणों से भी समझ लें। सोशल मीडिया पर किसी के बारे में झूठ फैलाना या उसकी शर्मनाक तस्वीरें या वीडियो पोस्ट करना। मैसेजिंग प्लेटफ़ॉर्म के माध्यम से अपमानजनक या धमकी भरे संदेश, चित्र या वीडियो भेजना। साइबर बुलिंग के शिकार लोगों पर इसका बहुत गहरा असर पड़ता है। इसलिए माता-पिता या घर के किसी बड़े सदस्य को चाहिए कि वह सोशल मीडिया में दिन-रात बर्बाद करने वाले सदस्य को इसके खतरों से आगाह करें।

(लेखक पूर्व सांसद हैं)

चिंतन

बढ़ती गंभीर स्वास्थ्य समस्या के लिए जिम्मेदार कौन?

डॉ. प्रितम भि. गेडाम
मोबाइल नं. 082374 17041

देश में बढ़ती जानलेवा बीमारियां, मानसिक तनाव, घटती जीवन प्रत्याशा और असमय मौत में हमारी आधुनिक जीवनशैली की खास भूमिका है। आधुनिक जीवनशैली जीने वाले युवाओं में दिल का दौरा पड़ने की संभावना अधिक होती है। छोटे बच्चों से लेकर किशोरवयीन युवाओं तक खेलते हुए चक्कर आकर गिरने की घटनाएं आजकल देखने-सुनने मिलती है, बैठे-बैठे लोग चक्कर आकर गिर जाते है और चिकित्सक बताते है कि हृदयघात हुआ है। बहुत बार आवश्यक आपातकाल चिकित्सकीय सहायता न मिलने के कारण जान चली जाती है। आज हम वो खा-पी रहे हैं जो पशु के खाने लायक भी नहीं है। हमारे पारंपरिक खाद्य पदार्थों की जगह पाश्चिमात्य फास्ट फूड और अस्वास्थ्यकर आहार आ गया है। छोटी-सी जबान के जायके के लिए सम्पूर्ण शरीर को नुकसान पहुंचाया जाता है। ये बड़ी दुख की बात है, कि हम खाद्य व्यंजनों का चयन स्वाद के आधार पर करते है, जबकि ये सर्वदा स्वास्थ्य के आधार पर होने चाहिए। अक्सर देखा जाता है कि अधिकतर लोग पेट भरने के लिए खाते है, लेकिन वे कितनी कैलरी, किस प्रकार, किस गुणवत्ता में ले रहे है, शरीर में खराब कोलेस्ट्रॉल की मात्रा लगातार बढ़ रही, पाचन तंत्र कमजोर हो रहा है, इसका विचार नहीं करते। भोजन में आवश्यक पोषक तत्वों की कमी, अस्वच्छता, अशुद्ध हवा पानी, पर्याप्त नींद न लेना, बढ़ता वजन, व्यायाम की कमी, अशुद्ध वातावरण, शोर, काम का दबाव, घरेलू कलह, मानसिक तनाव, नशाखोरी से बीमारियां तेजी से बढ़ रही है। मानवीय शरीर पहले के दशक के मुकाबले कमजोर प्रतीत हो रहा है, अब मौसम बदलते ही मानवीय शरीर को विविध बीमारियां जल्द जकड लेती है, क्योंकि रोग प्रतिकारक शक्ति कम हो रही है।

तले हुए खाद्य पदार्थ, प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ, प्रसंस्कृत मांस, अतिरिक्त चीनी वाले खाद्य पदार्थ व पेय, वसायुक्त खाद्य पदार्थ, नमकीन पदार्थ, मैदा युक्त पदार्थ, सोडा, उच्च वसायुक्त डेयरी उत्पाद, आइसक्रीम, ट्रांस वसा, मक्खन, लाल मांस, आलू चिप्स, फ्रेंच फ्राईज, कुकीज़, पाम तेल, पिज़्ज़ा, बेकन, बेक्ड उत्पाद, सफेद चावल, सफेद ब्रेड, पास्ता, सॉसेज, पॉलिश अनाज, डिब्बाबंद सूप या फूड कंपनियों के प्रक्रिया किये गए पदार्थ, मानवीय शरीर के लिए अस्वास्थ्यकर होते है क्योंकि इनसे हमें आवश्यक पोषकतत्वों की जरुरत पूरी नहीं होती, इनका प्रयोग न हो तो बेहतर है, लेकिन चीनी और नमक का उपयोग बंद नहीं कर सकते, लेकिन मर्यादित करना या अन्य पर्याय जरुरी है। ये पदार्थ शरीर में स्लो पॉइजन के रूप में काम करते है और सीमा के बाहर होने पर शरीर में मौजूद ख़राब तत्व बढ़ते हुए मानवीय अंगों को विफल करते हुए घातक बीमारी में तब्दील हो जाते है।

भारत में अधिकांश मौतों और विकलांगताओं के लिए हृदय संबंधी बीमारियाँ जिम्मेदार हैं। साल 2022 में भारतीयों में दिल के दौरे में 12.5 प्रतिशत की वृद्धि हुयी। अस्वास्थ्यकर आहार, उच्च रक्तचाप, उच्च कोलेस्ट्रॉल, मधुमेह और अधिक वजन ये जोखिम अब देश में कुल बीमारी के बोझ का एक चौथाई हिस्सा है। गैर-संचारी रोग देश में होने वाली सभी मौतों में से 60 प्रतिशत से अधिक के लिए जिम्मेदार हैं। लगभग 5.8 मिलियन भारतीय हर साल हृदय और फेफड़ों की बीमारियों, स्ट्रोक, कैंसर और मधुमेह से जान गवांते है। कैंसर और मधुमेह की बढ़ती प्रवृत्ति के साथ-साथ हृदय रोग दो दशकों से ज्यादा समय से भारत में मृत्यु के प्रमुख कारणों में से एक रहा है। विश्व स्तर पर 2021 में सबसे बड़ा हत्यारा इस्केमिक हृदय रोग रहा, जो दुनिया में होने वाली सभी मौतों में से 13 प्रतिशत के लिए जिम्मेदार है।

भारत में तनाव का स्तर संयुक्त राज्य अमेरिका सहित यूके, जर्मनी, फ्रांस, चीन, ब्राजील और इंडोनेशिया जैसे देशों की तुलना में अधिक है। आईसीआईसीआई लोम्बार्ड जनरल इंश्योरेंस के नवीनतम 2023 इंडिया वेलनेस इंडेक्स के अध्ययनों के मुताबिक भारत में हर तीसरा व्यक्ति तनाव का सामना कर रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 77 प्रतिशत भारतीय नियमित आधार पर तनाव के कम से कम एक लक्षण का अनुभव करते हैं। भारत में मानसिक स्वास्थ्य पेशेवरों की भारी कमी है, प्रति 1,00,000 लोगों पर केवल 0.07 मनोचिकित्सक और 0.12 मनोचिकित्सक नर्सें हैं। अक्सर, इन पेशेवरों के पास अवसाद से निपटने के लिए बहुत कम या कोई प्रशिक्षण नहीं होता है। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन 2024 के अनुसार, दुनिया में भारतीयों की संख्या सबसे अधिक है, जो प्रति सप्ताह औसतन 45 घंटे से अधिक काम करते हैं, विशेषत निजी संस्थानों और व्यवसायों में। इसमें हमारा देश भूटान, लेबनान, लेसोथो, संयुक्त अरब अमीरात और पाकिस्तान जैसे देशों से भी पीछे है।

बड़े-बड़े कारखानों से रसायनयुक्त जहरीला पानी और धुंआ आसपास के वातावरण में जहर घोलता है। खेतों में भी बड़ी मात्रा में हानिकारक रासायनिक खादों का प्रयोग होता है। अभी हाल ही में नए अध्ययन से पता चला है कि भारत दुनिया में सबसे अधिक प्लास्टिक प्रदूषण पैदा करता है। देश में सभी प्रकार के प्रदूषण की भी गंभीर समस्या बनी हुई है। हानिकारक अपशिष्ट, मिलावटखोरी की गंभीर समस्या में भी हम अग्रणी है। शहरों की सड़कों पर लोगों की संख्या से ज्यादा गाड़ियों का जाम नजर आता है। अधिकतर राज्यों की कबाड़ बनी सरकारी बस और स्थानीय प्रशासन द्वारा संचालित बसें भी प्रदूषण करती हुई चल रही है। शहरों से होकर बहने वाली अधिकतर नदियाँ तो नालों के स्वरूप में दिखती है। निर्माण स्थल, फैक्ट्री एरिया में अधिकतर मजदूर बगैर मास्क के धूल भरे वातावरण में कार्य करते है। घटते वन, बढ़ते कंक्रीट के जंगल, कचरे के ढेर, ग्लोबल वार्मिंग ने जीव सृष्टि के लिए खतरा पैदा किया है। पूरे वर्ष पल-पल मौसम की स्थितियां बदलती रहती हैं, जिससे साल भर बीमारियों का वायरल चलता रहता है और देश में अपर्याप्त स्वास्थ्य सुविधाओं के बावजूद लगातार अस्पताल मरीजों से हाउसफुल रहते है।

अब इसे नियमों का उल्लंघन कहे या लापरवाही लेकिन इसकी सजा हम सबके मानसिक- शारीरिक स्वास्थ्य को भुगतनी पड़ती है, आर्थिक नुकसान होता है वो अलग। क्या इसमें प्रशासन जिम्मेदार है जो मिलावटखोरी, प्रदूषण, भ्रष्टाचार पर पूर्णत नियंत्रण नहीं रख पा रहा है और सबके लिए पर्याप्त स्वास्थ सुविधा, पोषक आहार, शुध्द जल उपलब्ध नहीं कर पा रहा है। या वो स्वार्थी लोग जिम्मेदार है जो सिर्फ अपने फायदे के लिए गलत काम करके पर्यावरण और आम जनता के स्वास्थ्य से खिलवाड़ कर नुकसान पहुंचाते है। या फिर हम लोग जिम्मेदार है, जो अपने स्वास्थ्य का ध्यान नहीं रख सकते, क्योंकि अस्वास्थ्यकर आहार, आलस्य, नशाखोरी, अशुद्धता, आधुनिक जीवनशैली हमारे लिए जानलेवा होकर भी हम सुधर नहीं रहे। जिम्मेदारी सबकी है, हम सबको अमूल्य जीवन का मोल समझना होगा। अगर अभी भी जागे तो खुशहाल स्वस्थ भारत बनाकर हर साल स्वास्थ्य समस्याओं पर होने वाले अरबों डॉलर की भी बचत हो सकती है और बढ़ती गंभीर बीमारियों की गति भी धीमी की जा सकती है।

नजरिया

डिजिटल युग में फर्जी खबरें

प्रियंका सौरभ
मोबाइल : 7015375570

डिजिटल युग में फर्जी खबरें (फेक न्यूज) एक बड़ी चुनौती बनकर उभरी हैं, जिसमें जनता को गुमराह करने और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को बाधित करने की क्षमता है। हालाँकि, गलत सूचना को संबोधित करने में, भारतीय संविधान के अनुच्छेद 19(1)(र) के तहत गारंटीकृत अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार को संतुलित करना आवश्यक है। चुनौती नागरिकों के असहमति व्यक्त करने या राय व्यक्त करने के अधिकार का उल्लंघन किए बिना गलत सूचना का मुकाबला करने में है अर्थात यह सुनिश्चित करने में है कि नियामक उपाय वैध भाषण का दमन न करें। यह पवित्रता ही है जो समाचार को समाज में एक विशिष्ट स्थान प्रदान करती है। लेकिन फर्जी खबरों की परिघटना समाचार के मूल मूल्यों को निशाना बनाती है, जो असामाजिक तत्वों, अफवाह फैलाने वालों या उन उच्च और शक्तिशाली लोगों के निजी हितों को पोषित करती है, जो समाचार की आड़ में अपना निजी एजेंडा आगे बढ़ाते हैं। और जब फर्जी खबरों को डिजिटल पंख लग जाते हैं, तो यह वायरल पत्रकारिता में बदल जाती है। यदि इसका दुरुपयोग किया जाता है, तो यह हिंसा और घृणा फैला सकती है, तबाही मचा सकती है और नागरिक समाज के लिए विनाशकारी साबित हो सकती है।

आजकल फर्जी खबरें समाचार उद्योग के साथ-साथ समाज के लिए भी एक बड़ी चुनौती बन गई हैं। इंटरनेट क्रांति ने फर्जी खबरों को फैलाने के लिए एक नरम आधार प्रदान किया है और यह गलत सूचना, समाचार में अशुद्धि, भ्रामक समाचारों, अर्धसत्य और कभी-कभी अत्यधिक सनसनीखेज रिपोर्टिंग का प्राथमिक कारण बन गया है, जो जनता का ध्यान खींचने और उन्हें गुमराह करने के लिए किया जाता है। सोशल नेटवर्किंग साइट्स पर सूचना इतनी तेज गति से फैलती है कि विकृत, गलत या झूठी सूचना वास्तविक दुनिया में कुछ ही मिनटों में लाखों उपयोगकर्ताओं के लिए प्रभाव पैदा करने की जबरदस्त क्षमता रखती है। फ़ेसबुक और ट्विटर जैसी सोशल नेटवर्किंग साइट्स और व्हाट्सएप जैसे मैसेजिंग ऐप फ़र्जी ख़बरें फैलाने के लिए उपजाऊ प्लेटफ़ॉर्म बन गए हैं। इस पृष्ठभूमि में यह पेपर फ़र्जी ख़बरों की चुनौतियों, समाज पर इसके प्रभाव, फ़र्जी ख़बरों को फैलाने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म को विनियमित करने में सरकार की भूमिका, सोशल मीडिया के स्व-नियमन और सबसे बढ़कर नागरिकों और युवाओं की ज़िम्मेदारी का मूल्यांकन करने का इरादा रखता है, जो देश का भविष्य हैं।

गलत सूचना की समस्या का मुकाबला करने और वाक स्वतंत्रता की सुरक्षा के बीच संतुलन हासिल करने में कई दिक्कतें हैं। फर्जी समाचार या भ्रामक सूचना जैसे शब्दों के लिए स्पष्ट परिभाषाओं का अभाव कानूनी अस्पष्टता उत्पन्न करता है, जिससे वाक स्वतंत्रता संबंधी अधिकारों का उल्लंघन किए बिना सामग्री को विनियमित करना मुश्किल हो जाता है। गलत सूचना से निपटने के उद्देश्य से किए गए विनियामक उपाय अक्सर सरकारी अतिक्रमण का कारण बन जाते हैं, जहाँ अधिकारी फर्जी खबरों (फेक न्यूज) पर अंकुश लगाने के परिप्रेक्ष्य में असहमति की मुद्दों को दबा सकते हैं। अस्पष्ट विनियमन और कानूनी कार्रवाई के डर से व्यक्तियों में स्व-सेंसरशिप की प्रवृत्ति उत्पन्न हो सकती है विशेष रूप से मीडिया, राजनीतिक व्यंग्य या सक्रियता में, जिससे रचनात्मकता और खुले विचार-विमर्श पर असर पड़ता है।

वाक स्वतंत्रता ,व्यक्तियों को राय व्यक्त करने की अनुमति प्रदान करती है जो सदैव सत्यापित तथ्यों के साथ संरेखित नहीं हो सकता है, जिससे गलत सूचना और व्यक्तिगत अभिव्यक्ति के बीच अंतर करना मुश्किल हो जाता है। गलत सूचना पर नियामक नियंत्रण ,अनजाने में खोजी पत्रकारिता को नकारात्मक रूप से प्रभावित कर सकता है जिसमें अक्सर शक्तिशाली संस्थाओं के संबंध में असुविधाजनक सच्चाइयों को उजागर करना शामिल होता है। हालाँकि राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े खतरों को रोकने के लिए फर्जी खबरों (फेक न्यूज) पर अंकुश लगाना आवश्यक है परंतु अति उत्साही दृष्टिकोण वाक स्वतंत्रता सहित नागरिक स्वतंत्रता को कमजोर कर सकता है। कानून में स्पष्ट और विशिष्ट परिभाषाएँ होनी चाहिए कि फर्जी ख़बरें क्या होती हैं जो जानबूझकर फैलाई गई गलत सूचना और वैध राय के बीच अंतर स्पष्ट करना। उदाहरण के लिए: भारत यूरोपीय संघ के डिजिटल सेवा अधिनियम के समान एक रूपरेखा अपना सकता है, जो अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का दमन किये बिना स्पष्ट रूप से अवैध सामग्री को रेखांकित करता है। सामग्री की तथ्य-जाँच के लिए स्वतंत्र, गैर-सरकारी निकायों की स्थापना से सरकारी पूर्वाग्रह का जोखिम कम हो सकता है और पारदर्शिता सुनिश्चित हो सकती है। जवाबदेही और स्वतंत्रता के बीच संतुलन बनाना आवश्यक है। सामग्री हटाने के अनुरोधों के लिए न्यायिक निगरानी सुनिश्चित करने से मनमाने निर्णयों को रोकने में मदद मिलती है और व्यक्तियों के स्वतंत्र अभिव्यक्ति के अधिकारों की रक्षा होती है। गलत सूचना का दीर्घकालिक समाधान मीडिया साक्षरता में सुधार करने में निहित है, जिससे जनता को स्वतंत्र रूप से समाचार स्रोतों और सूचना का आलोचनात्मक मूल्यांकन करने में सक्षम बनाया जा सके।

महत्त्वपूर्ण
Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सम्मानित

तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने तेलंगाना के शतरंज ओलंपियाड स्वर्ण पदक विजेता अर्जुन और द्रोणवल्ली हरिका को सम्मानित किया।

राजनीति का मतलब अब सिर्फ 'सत्ता की राजनीति' रह गया है: गडकरी

छत्रपति संभाजीनगर/भाषा। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने शुक्रवार को कहा कि राजनीति वास्तव में समाज सेवा, राष्ट्र निर्माण और विकास का पर्याय है, लेकिन वर्तमान समय में इसका मतलब केवल सत्ता की राजनीति है।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता गडकरी यहां राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े के अभिनंदन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, ''राजनीति में विचारों में मतभेद की समस्या नहीं, बल्कि विचारों की कमी की समस्या है। राजनीति का अर्थ है 'समाजकरण (समाज सेवा), राष्ट्रकरण (राष्ट्र निर्माण) और विकासकरण (विकास)'। लेकिन अब राजनीति की परिभाषा बदलकर 'सत्ताकरण (सत्ता की राजनीति)' ही रह गई है।''

गडकरी ने कहा, ''पहले, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) कार्यकर्ता के रूप में काम करते समय, हमें कई बाधाओं का सामना करना पड़ा। कोई पहचान और सम्मान नहीं था। हरिभाऊ बागड़े ने लोगों के कल्याण के लिए समर्पण के साथ काम किया...मैंने पार्टी कार्यकर्ता के रूप में 20 वर्ष तक विदर्भ की यात्रा की और काम किया।'' उन्होंने कहा, ''लोग हमारी रैलियों पर पत्थर फेंकते थे।

तुर्किये के राष्ट्रपति ने संयुक्त राष्ट्र में नहीं किया कश्मीर का जिक्र, गाजा पर किया ध्यान केंद्रित

न्यूयॉर्क/भाषा

तुर्किये के राष्ट्रपति रजब तैयब एर्दोआन ने साल 2019 में अनुच्छेद 370 निरस्त किए जाने के बाद से पहली बार इस साल संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) में अपने संबोधन में कश्मीर का जिक्र नहीं किया। इस साल मंगलवार को दिये गए लगभग 35 मिनट के अपने संबोधन में उन्होंने गाजा की मानवीय संकट पर ध्यान केंद्रित किया, जहां हमास के खिलाफ इजराइल के हमलों में 40 हजार से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है।

संविधान के तहत जम्मू-कश्मीर को मिला विशेष दर्जा 2019 में वापस लिए जाने के बाद एर्दोआन ने हर साल यहां यूएनजीए सत्र में दुनियाभर के नेताओं के सामने कश्मीर का उल्लेख किया था। इस दौरान उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच वार्ताएं किए जाने का समर्थन किया था। 'डॉन' समाचार पत्र की खबर के अनुसार, हालांकि पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि कश्मीर के संबंध में तुर्किये के रुख में कोई बदलाव नहीं आया है। विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मुमताज जेहरा बलोच ने साप्ताहिक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि महज एक बयान से कोई भी अनुचित निष्कर्ष नहीं निकाला जाना चाहिए। बलोच ने कहा कि कश्मीर मुद्दे को लेकर तुर्किये का रुख सुसंगत और सिद्धांतों पर आधारित है। एर्दोआन द्वारा कश्मीर का उल्लेख न करने को तुर्किये के रुख में आए स्पष्ट बदलाव के रूप में देखा जा रहा है। यह ऐसे समय में हुआ है, जब तुर्किये भारत समेत पांच देशों के समूह ब्रिक्स में शामिल होने की कोशिश कर रहा है। पाकिस्तान की पूर्व राजनयिक और संयुक्त राष्ट्र में देश की राजदूत रह चुकीं मलीहा लोधी ने तुर्किये के रुख में आए स्पष्ट बदलाव पर टिप्पणी की है। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, पिछले पांच वर्षों के विपरीत, (तुर्किये के) राष्ट्रपति एर्दोआन ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में कश्मीर का जिक्र नहीं किया। उन्होंने 2019, 2020, 2021, 2022 और 2023 में ऐसा किया था। पाकिस्तान का समर्थन करने वाले एर्दोआन ने पहले कई बार कश्मीर मुद्दा उठाया है, जिसके चलते भारत और तुर्किये के बीच संबंधों में तनाव देखा जा चुका है। एर्दोआन ने पिछले साल संयुक्त राष्ट्र महासभा में अपने संबोधन में कहा था, एक और कदम, जिससे दक्षिण एशिया में क्षेत्रीय शांति, स्थिरता व समृद्धि का मार्ग प्रशस्त होगा।

विदेश मंत्री जयशंकर ने संयुक्त राष्ट्र प्रमुख गुतारेस, महासभा अध्यक्ष यांग से मुलाकात की

न्यूयॉर्क/भाषा

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने यहां संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस और संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के नए अध्यक्ष फिलेमोन यांग से अलग-अलग मुलाकात की तथा ''विविधता में एकता'', ''शांति'' एवं ''मानव कल्याण'' के यांग के दृष्टिकोण का समर्थन करते हुए पश्चिम एशिया और यूक्रेन में संघर्ष जैसे वैश्विक मुद्दों पर चर्चा की।

जयशंकर संयुक्त राष्ट्र महासभा के 79वें सत्र में भाग लेने के लिए अमेरिका में हैं और उन्होंने बृहस्पतिवार को महासभा के सत्र से इतर गुतारेस और यांग से मुलाकात की। जयशंकर ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस के साथ बात करना हमेशा खुशी की बात होती है।''

विश्व के नेताओं ने रविवार को सर्वसम्मति से 'भविष्य का समझौता' को अंगीकार किया, जिसमें 15 सदस्यीय संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में सुधार करने का वादा किया गया तथा इसे और अधिक

प्रतिनिधित्वपूर्ण, समावेशी, पारदर्शी, कुशल, प्रभावी, लोकतांत्रिक एवं जवाबदेह बनाने की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया गया है। वे सुरक्षा परिषद को अधिक प्रतिनिधित्वपूर्ण बनाने के लिए इसे ''विस्तारित'' करने पर भी सहमत हुए। जयशंकर ने एक अलग पोस्ट में कहा, ''आज न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा के नए अध्यक्ष फिलेमोन यांग से मिलकर खुशी हुई। विविधता में एकता, शांति, मानव कल्याण और हर जगह सभी के लिए गरिमा के उनके दृष्टिकोण को भारत के पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया।'' यांग ने भी जयशंकर से मुलाकात के बाद 'एक्स' पर 'ग्लोबल साउथ' के हितों को बढ़ावा देने में भारत की भूमिका की सराहना की। 1960 के दशक में पनपा 'ग्लोबल साउथ' शब्द आम तौर पर लैटिन अमेरिका, एशिया, अफ्रीका और ओशिनिया के क्षेत्रों के लिए इस्तेमाल किया जाता है। खासकर इसका मतलब, यूरोप और उत्तरी अमेरिका के बाहर, दक्षिणी गोलार्द्ध और भूमध्यरेखीय क्षेत्र में स्थित ऐसे देशों से है जो ज्यादातर कम आय वाले हैं और राजनीतिक तौर पर भी पिछड़े हैं।

यांग ने कहा, ''मुझे आज भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर का स्वागत करते हुए खुशी हुई। हमने संयुक्त राष्ट्र महासभा 79 के लिए प्राथमिकताओं और प्रमुख मुद्दों तथा भविष्य के शिखर सम्मेलन के परिणामों पर चर्चा की। मैंने 'ग्लोबल साउथ' के हितों को आगे बढ़ाने में भारत की भूमिका की भी सराहना की।'' इस बीच, संयुक्त राष्ट्र महासभा सत्र के मौके पर, जयशंकर ने बेलारूस के विदेश मंत्री मक्सिम रायज़ेनकोव से भी मुलाकात की और ''स्वास्थ्य, शिक्षा, प्रौद्योगिकी तथा गहरे आर्थिक संबंधों में संभावनाओं'' पर चर्चा की। जयशंकर ने रोमानियाई समकक्ष लुमिनिटा ओडोबेस्कु से भी मुलाकात की ।

अक्टूबर को रिलीज होगी अक्षय कुमार की फिल्म सरफिरा

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के खिलाड़ी कुमार अक्षय कुमार और अभिनेत्री राधिका मदान की फिल्म सरफिरा, 11 अक्टूबर को डिज्नी+ हॉटस्टार पर रिलीज होगी । केप ऑफ गुड फिल्म्स, अबुंदंतिया एंटरटेनमेंट और 2डी एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित, सुधा कोंगरा द्वारा निर्देशित, सरफिरा में अक्षय कुमार के साथ राधिका मदान और परेश रावल की मुख्य भूमिका है। यह फिल्म 11 अक्टूबर, को विशेष रूप से डिज्नी+ हॉटस्टार पर रिलीज़ होगी। अक्षय कुमार ने कहा, सरफिरा एक सरफिरा इंसान के बारे में है, जिसने बड़े सपने देखने और उसके लिए अथक परिश्रम करने का साहस किया। मेरा दृढ़ विश्वास है कि जब कोई सपना महत्वाकांक्षा में बदल जाता है, तो उसे सच होने से कोई नहीं रोक सकता और यही बात वीर के सपने के बारे में मुझे पसंद है; यह एक जुनून से प्रेरित कारण बन गया जिसने आम लोगों के लिए बदलाव लाया। मुझे ऐसी कहानियों का हिस्सा बनना पसंद है जो प्रेरित करती हैं और एक बड़ी तस्वीर पेश करती हैं।सरफिरा 11 अक्टूबर, 2024 को डिज्नी+ हॉटस्टार पर रिलीज़ हो रही है और मैं एक ऐसे सपने की शक्ति को देखने के लिए उत्सुक हूँ जो दुनिया को प्रेरित करता है! राधिका मदान ने कहा, सरफिरा दृढ़ संकल्प और अपने सपनों को पूरा करने के साहस की एक शक्तिशाली कहानी है। आत्मविश्वास और ताकत से भरपूर रानी का किरदार निभाना मेरे लिए एक बहुत ही निजी अनुभव था। मैं दर्शकों द्वारा मेरे प्रदर्शन को गर्मजोशी से स्वीकार किए जाने के लिए बहुत आभारी हूँ। अक्षय सर के चित्रण ने फिल्म में अविश्वसनीय ऊर्जा ला दी। डिज्नी+ हॉटस्टार के साथ, मैं और भी अधिक दर्शकों को हमारी यात्रा और इसके पीछे के महत्वपूर्ण संदेश से जुड़ने के लिए उत्साहित हूँ।

मटका के सेट से नोरा फतेही का पहला लुक सामने आया

मुंबई/एजेन्सी

ग्लोबल सेंसेशन नोरा फतेही अपनी आने वाली फिल्म 'मटका' की शूटिंग में व्यस्त हैं। ऑनलाइन सामने आई कुछ इढड तस्वीरों में, वह एक शानदार वाइट फ्लोरल साड़ी पहने हुए दिखाई दे रही हैं। एक्ट्रेस ने ट्रेडिशनल साड़ी लुक को पूरी तरह से अपनाया, जिससे सोशल मीडिया पर फैंस उनके स्टाइल के दीवाने हो गए। तस्वीरों में वह अपने को-स्टार वरुण तेज और क्रू मेंबर्स के साथ दिखाई दे रही हैं। जब से तस्वीरें सामने आई हैं, उनके फैंस फिल्म में उनके किरदार के बारे में और ज़्यादा जानकारी पाने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इससे पहले, हैदराबाद में शूटिंग शेड्यूल के दौरान, नोरा को पैर में गंभीर चोट लग गई थी और डॉक्टरों ने उन्हें दो महीने तक ठीक होने और रिकवरी की सलाह दी थी। अभिनेत्री सोशल मीडिया के जरिये अपने फैंस के साथ अपनी रिकवरी प्रोसेस के हर फेज को साझा कर रही हैं। अपनी चोट के बावजूद, वह फिलहाल 'मटका' के दूसरे शेड्यूल की शूटिंग कर रही हैं। वह खखऋ-2024 में लगातार तीसरी बार परफॉर्म करती नजर आएंगी।

फीफा एंथम 'लाइट द स्काई' और 'पेपेटा' जैसे अपने सिंगल्स के लिए दुनियाभर में मशहूर नोरा अपने चार्टबस्टर ट्रैक्स के साथ खखऋ- में अपनी एनरजेटिक प्रेजेंस लाने के लिए तैयार हैं। 4 मिलियन से ज़्यादा धीर्धैलश सब्सक्राइबर और लगभग 47 मिलियन इंस्टाग्राम फ़ॉलोअर्स के साथ, उनके पास एक बड़ा फैनबेस है। वह वर्तमान में इंटरनेशनल आर्टिस्ट उघरू के साथ अपने आगामी सिंगल की रिलीज़ का इंतज़ार कर रही हैं। इससे पहले, नोरा ने 'दिलबर' के अरेबिक वर्जन और 'नोरा' सिंगल के साथ म्यूजिक इंडस्ट्री में धूम मचा दी थी। इसमें ट्रैक 'डर्टी लिटिल सीक्रेट' भी शामिल था, जिसने एक लीडिंग म्यूजिक प्लेटफॉर्म पर 33 मिलियन से ज़्यादा स्ट्रीम हासिल किए, जो एक सिंगर के रूप में नोरा का सबसे सफल गाना बन गया। उनके ट्रैक की सफलता और उनकी इंटरनेशनल अपील ने उन्हें सबसे मांग वाले परफॉर्मिंग आर्टिस्ट्स में से एक बना दिया है।

संध्या सूरी की फिल्म 'संतोष' ऑस्कर में ब्रिटेन की आधिकारिक प्रविष्टि

वाशिंगटन/एजेन्सी

लंदन निवासी भारतीय मूल की फिल्मकार संध्या सूरी की फिल्म 'संतोष' को ऑस्कर पुरस्कार की अंतरराष्ट्रीय फीचर फिल्म श्रेणी में ब्रिटेन की आधिकारिक प्रविष्टि के तौर पर शामिल किया गया है। ब्रिटिश एकेडमी ऑफ फिल्म एंड टेलीविजन आर्ट्स (बाफ्टा) ने एक बयान जारी कर कहा, बाफ्टा को यह पुष्टि करते हुए खुशी हो रही है कि संध्या सूरी की फिल्म 'संतोष' को अगले साल होने वाले ऑस्कर पुरस्कार की अंतरराष्ट्रीय फीचर फिल्म श्रेणी के लिए ब्रिटेन की आधिकारिक प्रविष्टि के तौर पर चुना गया है. 'संतोष' की कहानी भारत के उत्तर प्रदेश राज्य की पुलिस पर आधारित है, जिसमें हिंदी भाषा के संवाद भी हैं।यह फिल्म एक विधवा गृहिणी के ईद-गिर्द घूमती है, जो अपने दिवंगत पति की पुलिस कांस्टेबल की नौकरी हासिल करती है और एक युवती की हत्या की जांच में उलझ जाती है।

फिल्म में शहाना गोस्वामी एक युवा हिंदू विधवा संतोष की भूमिका निभाती हैं, जिसे एक सरकारी योजना के माध्यम से पुलिस कांस्टेबल के रूप में अपने दिवंगत पति का पद विरासत में मिलता है। जैसे ही वह भूमिका में कदम रखती है, वह संस्थागत भ्रष्टाचार में फंस जाती है। निचली जाति के दलित समुदाय की एक किशोर लड़की की हत्या की जांच के लिए वह अनुभवी जासूस इंस्पेक्टर शर्मा, जिसका किरदार सुनीता राजवार ने निभाया है, के साथ मिलकर काम करती है। संतोष का प्रीमियर इस साल की शुरुआत में कान्स फिल्म फेस्टिवल में अन सर्टन रिगार्ड सेक्शन में हुआ था, जहां इसे काफी सराहना मिली। संतोष, संध्या सूरी की प्रशंसित डॉक्यूमेंट्री आई फॉर इंडिया (2005) और उनकी पुरस्कार विजेता लघु फिल्म द फील्ड के बाद पहली कथात्मक विशेषता है, जिसने 2018 में टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में सर्वश्रेष्ठ अंतर्राष्ट्रीय शॉर्ट का पुरस्कार जीता और 2019 में बाफ्टा नामांकन अर्जित किया।

ब्रिटेन को तीन बार अकादमी पुरस्कारों में सर्वश्रेष्ठ अंतर्राष्ट्रीय फीचर श्रेणी के लिए नामांकित किया गया है, जिसने इस साल की शुरुआत में जोनाथन ग्लेज़र के होलोकॉस्ट ड्रामा द ज़ोन ऑफ़ इंटरेस्ट के साथ अपना पहला ऑस्कर जीता था। सर्वश्रेष्ठ अंतर्राष्ट्रीय फीचर के दावेदारों सहित 2025 ऑस्कर के लिए शॉर्टलिस्ट की घोषणा 17 दिसंबर, 2024 को की जाएगी, जिसके बाद 17 जनवरी, 2025 को आधिकारिक नामांकन होंगे। 97वें अकादमी पुरस्कार 2 मार्च 2025 को होंगे।

न्यूयॉर्क के टाइम्स स्क्वायर में परफॉर्म करने वाली बनीं पहली भारतीय कलाकार बनीं अनुष्का सेन

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री अनुष्का सेन न्यूयॉर्क के टाइम्स स्क्वायर में परफॉर्म करने वाली पहली भारतीय कलाकार बन गयी हैं। अनुष्का सेन न्यूयॉर्क सिटी के टाइम्स स्क्वायर में स्टेज पर लाइव परफॉर्म किया है। वह ऐसा करने वाली पहली इंडियन आर्टिस्टस बनकर इतिहास रच चुकी हैं। अनुष्का ने सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स (एसडीजी) के लिए यूनाइटेड नेशन के यंग लीडर एवाई यंग के साथ हाथ मिलाते हुए वेस्ट में एक सिंगर के रूप में भी अपना डेब्यू कर दिया है। साथ में, उन्होंने एवाई यंग के बैटरी टूर पर परफॉर्म किया, जिसका मकसद स्वच्छ ऊर्जा का इस्तेमाल करके 1,000 कंसर्ट को पावर करना है। अनुष्का ने एवाई यंग के साथ मिलकर प्रोजेक्ट 17 के सॉन्ग ग्रेजुएशन पर परफॉर्म किया, जो यूनाइटेड नेशन के 17 सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स से प्रेरित एक म्यूजिक एल्बम है। ग्रैमी अवॉर्ड विनर केन लुईस द्वारा बनाया गया सॉन्ग ग्रेजुएशन अनुष्का के शिक्षा के लिए मजबूत समर्थन को दिखाता है। टाइम्स स्क्वायर, न्यूयॉर्क में यह इवेंट क्लाइमेट ग्रुप द्वारा आयोजित क्लाइमेट वीक का हिस्सा था। यह खास पल अनुष्का के करियर में एक बड़ा कदम है और दुनिया को उनके टेलेंट को दिखाता है।

टाइम्स स्क्वायर पर अपने परफॉर्मेंस के दौरान अनुष्का जयपुर के एक लोकल डिजाइनर द्वारा डिजाइन किए गए खूबसूरत आउटफिट में आत्मविश्वास से भरी नजर आईं, जिससे इंडियन ब्रांड्स और सस्टेनेबिलिटी के लिए उनका समर्थन दिखा। उन्होंने अपने आउटफिट के साथ छोटी सी बिंदी लगाई थी जो उनके लुक को एक कल्चरल टच दे रही थी। लाइव बैंड के साथ परफॉर्म करते हुए, उन्होंने अपनी आवाज से बहुत ही कॉन्फिडेंट के साथ इंटरनेशनल स्टेज पर इंडिया को गर्व के साथ रिप्रेजेंट किया। दुनिया के सबसे बिजी जगह में से एक पर आयोजित इस इवेंट ने वैश्विक शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण और दुनिया को एक बेहतर जगह बनाने के लिए कमिटमेंट को दिखाया।

अपने अनुभव को याद करते हुए अनुष्का ने शेयर करते हुए कहा, मैं बहुत आभारी हूँ कि मुझे टाइम्स स्क्वायर पर परफॉर्म करने वाली पहली इंडियन बनने का मौका मिला। यह सच कि दुनिया भर से लोग हमें परफॉर्म करते हुए देख रहे थे, एक कमाल का अनुभव था। मैं एवाई यंग की बहुत आभारी हूँ जिन्होंने मुझे यह मौका दिया और केन लुईस जो सिर्फ़ हमारा समर्थन करने के लिए यहाँ आए, इससे मुझे ऐसा महसूस होता है जैसे अमेरिका में मेरा एक परिवार है। यह म्यूजिकल जर्नी इसलिए खास है क्योंकि यह सिर्फ़ मनोरंजन से कहीं बढ़कर है; यह ग्रह के बारे में है और लोगों को यह समझने में मदद करती है कि आने वाले सालों में हमें अपनी धरती माँ के लिए क्या करना चाहिए। म्यूजिक के पास दुनिया भर के अलग-अलग संस्कृतियों और जगहों के लोगों को एक साथ लाने का एक जादुई तरीका है।

अनुष्का ने कहा,दर्शक बहुत गर्मजोशी से भरे और सपोर्टिव थे, इसलिए मुझे नहीं लगा कि ये मेरी पहली परफॉर्मेंस है। बहुत सारे इंडियन फैंस वहां जो मेरे लिए चीयर कर रहे थे और मेरे साथ गाने पर झूम रहे थे। मुझे अपना आउटफिट बहुत पसंद आया क्योंकि ये भारतीय और अमेरिकी स्टाइल का परफेक्ट मिक्स था।बिंदी मेरा पसंदीदा हिस्सा था। यह एक नई शुरुआत है, और मैं यह देखने के लिए उत्सुक हूँ कि म्यूजिक की इस नए सफर में मैं क्या एक्सप्लोर और अनुभव करूँगी।

आलिया भट्ट की फिल्म 'जिगरा' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड की जानीमानी अभिनेत्री आलिया भट्ट की आने वाली फिल्म जिगरा' का बहुप्रतीक्षित ट्रेलर जारी कर दिया गया है। आलिया भट्ट और वेदांग रैना अभिनीत फिल्म जिगरा एक एक्शन से भरपूर कहानी है, जो जेल से भागने के इर्द-गिर्द घूमती है,जिसमें दिखाया गया है कि एक बहन अपने भाई की रक्षा के लिए किस हद तक जा सकती है। आलिया भट्ट ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट के साथ ट्रेलर के लॉन्च की घोषणा करते हुए कहा, सब तैयार है? जिगरा थिएट्रिकल ट्रेलर अभी रिलीज़ हुआ! 11 अक्टूबर को सिनेमाघरों में मिलते हैं। ट्रेलर में आलिया भट्ट एक बहन (सत्या) की भूमिका निभाती नजर आ रही हैं जो अपने भाई अंकुर (वेदांग रैना) को बचाने के लिए दृढ़ संकल्पित है। जैसे-जैसे ट्रेलर आगे बढ़ता है, आलिया का किरदार और भी उभर कर आता है। एक बेहतरीन पल तब आता है जब आलिया यानी सत्या कहती हैं, मैंने कभी नहीं कहा, मैं सही इंसान हूँ। मैं सिर्फ़ अंकुर की बहन हूँ।

पिछले साल 'द आर्चीज़' में अपनी शुरुआत करने के बाद, फ़िल्म जिगरा, वेदांग रैना की दूसरी बार स्क्रीन पर आने वाली फ़िल्म है। फिल्म 'जिगरा' में एक आकर्षक 'चल कुड़िए' साउंडट्रैक भी शामिल है जिसे आलिया भट्ट और दिलजीत दोसांझ ने गाया है।

क्लासिक गाने 'फूलों का तारों का' का रीक्रिएटेड वर्शन भी टीज़र में शामिल किया गया है, जिसमें वेदांग रैना की गायन प्रतिभा को दिखाया गया है। धर्मा प्रोडक्शंस के बैनर तले निर्मित और वायकॉम18 स्टूडियोज़ और इटरनल सनशाइन प्रोडक्शंस द्वारा प्रस्तुत, 'जिगरा' को देबाशीष इरेंगबाम और वासन बाला ने मिलकर लिखा है। फिल्म जिगरा का निर्देशन वसन बाला ने किया है। निर्माता करण जौहर, अपूर्व मेहता, आलिया भट्ट, शाहीन भट्ट और सोमेन मिश्रा हैं। फिल्म जिगरा, 11 अक्टूबर को रिलीज होगी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

चेन्नई | शनिवार | 28-09-2024 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

जो व्यक्ति प्राकृतिक जीवन जीता है, वह अपने आप में ऐश्वर्य पूर्ण जीवन जीता है। यह प्रकृति मानवीय मन को समृद्ध बनाने वाली है। उसी प्रकृति के रूप में कोई भाषा है तो वह प्राकृत भाषा है। प्रकृति सबको स्वीकार करती है। प्राकृतिक सौन्दर्य का आनंद ही कुछ और है, वह अनुभव होता है। वह दिल में प्रसन्नता भर देता है। प्राकृत भाषा में अलग ही चमक रही हुई है। हमारे आगम उसी प्राकृत भाषा में लिखे गए। प्राकृत भाषा बोलने, सुनने में बहुत मधुर है। परमात्मा के समय में वही बोली मातृभाषा के रूप में बोली जाती थी। हमारा कर्तव्य बनता है कि प्राकृत भाषा के प्रति प्रेम होना ही चाहिए।

दूरदर्शी राष्ट्र का निर्माण आत्मविश्वासी और दूरदर्शी युवाओं से होता है : पूर्व राष्ट्रपति

■ मुख्य अतिथि के रुप में शामिल हुए पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद

■ अग्रवाल रिलीफ एंड एजुकेशनल ट्रस्ट ने बताया स्वर्ण जयंती समारोह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। अग्रवाल रिलीफ एंड एजुकेशनल ट्रस्ट(एआरईटी) ने अपना स्वर्ण जयंती समारोह मनाया गया। अग्रवाल समुदाय के दूरदर्शी समाजसेवियों द्वारा 1974 में स्थापित यह ट्रस्ट एक प्रतिष्ठित संस्थान बन गया है जो गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने और सामाजिक सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए जाना जाता है। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में देश के पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में तुगलक के संपादक एस. गुरुमूर्ति उपस्थित थे। समारोह में प्रबंध न्यासी मुरारीलाल सोंथालिया ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि समाज पर सकारात्मक प्रभाव डालने के लिए उत्कृष्टता की विरासत को जारी रखने की हम प्रतिज्ञा लेते है और कहा कि भविष्य में डीएसएवी में एक प्राथमिक विद्यालय और एक अत्याधुनिक स्कूल सभागार स्थापित करेंगे। उन्होंने बताया कि इस स्वर्ण जयंती वर्ष में कई इंटर स्कूल क्विज़, खेल और अन्य प्रतियोगिताओं के साथ मनाया जाएगा।

अग्रवाल विद्यालय जैसी संस्थाएं राष्ट्र निर्माण में सहयोगी है

इस मौके पर विशेष रुप से संबोधित करते हुए पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द ने कहा कि अग्रवाल रिलीफ एंड एजुकेशन ट्रस्ट के स्वर्ण जयंती समारोह के गौरवपूर्ण अवसर आकर खुशी हो रही है। धर्मार्थ ट्रस्ट और संस्थान राष्ट्र निर्माण में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। आपके जैसे संस्थान गरीबों, जरूरतमंदों और वंचितों के लाभ के लिए चुपचाप और लगन से काम करने के लिए संसाधनों और लोगों को एक साथ लाते हैं। आप समाज को वापस देने के लिए काम करते हैं। आप जैसा संस्था राष्ट्रनिर्माता है। उन्होंने महाराजा अग्रसेन द्वारा स्थापित सिद्धांतों की याद करते हुए कहा कि उन्होंने अपने राज्य के सभी निवासियों के बीच समानता, समृद्धि और आपसी स्नेह सुनिश्चित करने के लिए एक प्रणाली बनाई। महाराजा अग्रसेन अपने राज्य में बसने के इच्छुक किसी भी व्यक्ति को एक सोने का सिक्का और एक ईंट देते थे। इस प्रतीकात्मक संकेत का पालन शहर के अन्य सभी निवासियों को भी करना था। उन्होंने महाराजा अग्रसेन की विरासत को जारी रखने के लिए अग्रवाल रिलीफ एंड एजुकेशन ट्रस्ट से जुड़े प्रत्येक सदस्य को बधाई देता हूं। आपके संस्थान ने समाज की सेवा के साधन के रूप में शिक्षा को चुना है। शिक्षा एक ऐसी चीज़ है जो हमेशा मेरे दिल के करीब रही है। यह शायद सबसे बड़ा उपहार है जो कोई किसी दूसरे व्यक्ति को दे सकता है। मेरे जीवन ने मुझे सिखाया है कि चुनौतियों पर काबू पाने के लिए शिक्षा सबसे अच्छे उपकरणों में से एक है। हमेशा शिक्षा प्रणाली को उन्नत करने और इसे डिजिटल अर्थव्यवस्था, जीनोमिक्स, रोबोटिक्स और ऑटोमेशन की 21वीं सदी की वास्तविकताओं के लिए प्रासंगिक बनाने की होनी चाहिए।

एक अच्छे स्कूल के निर्माण में शिक्षक की निर्णायक भूमिका

रामनाथ कोविंद ने कहा कि एक आत्मविश्वासी और दूरदर्शी राष्ट्र का निर्माण आत्मविश्वासी और दूरदर्शी युवाओं से होता है। नवोन्मेषी राष्ट्र का निर्माण नवोन्मेषी युवाओं से होता है। यह हमारा जुनूनी लक्ष्य होना चाहिए. हमारी स्कूली शिक्षा प्रणाली को हमारे बच्चों को सोचने और बदलाव करने के लिए प्रोत्साहित करना होगा, न कि केवल रटने, याद करने और दोहराने के लिए। नए शिक्षण दृष्टिकोण अपनाए बिना यह संभव नहीं होगा। हमें बेहतर शिक्षण परिणामों के लिए इंटरैक्टिव, व्यावहारिक और अनुभवात्मक शिक्षण दृष्टिकोण को शामिल करने की आवश्यकता होगी। उन्होंने कहा कि अग्रवाल स्कूल यह सुनिश्चित करने पर बहुत जोर देते हैं कि छात्रों की अत्याधुनिक डिजिटल तकनीक तक पहुंच हो। केवल अच्छी इमारतें, महँगे उपकरण या सुविधाएँ ही किसी स्कूल को अच्छे स्तर का नहीं बनाती। बल्कि, यह उसके शिक्षकों का समर्पण और निष्ठा है जो एक अच्छे स्कूल के निर्माण में निर्णायक साबित होती है। शिक्षक किसी राष्ट्र के भविष्य के सच्चे निर्माता होते हैं। वे हमारे बेटे-बेटियों में चरित्र निर्माण की ठोस ज़मीन तैयार करते हैं और उन्हें जागरूक नागरिक बनाते हैं। पूर्व राष्ट्रपति कोविंद ने अग्रवाल स्कूलों में समावेशिता की दिशा में एआरईटी के प्रयासों की सराहना की। अग्रवाल विद्यालय में 50 दिव्यांग बच्चे नामांकित हैं, यह विद्यार्थियों के बीच समझ और करुणा को बढ़ावा देगा। कोविंद ने एआरईटी की छात्राओं को अपनी पढ़ाई में ध्यान केंद्रित करने और उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए मुफ्त नाश्ता और एक मुफ्त वैन सुविधा की प्रशांसा की।

पूर्व राष्ट्रपति ने कहा कि अग्रवाल शैक्षणिक संस्थानों के पूर्व छात्रों ने जीवन के सभी क्षेत्रों में सफलता हासिल की है। पूर्व विद्यार्थियों की सूची में प्रख्यात इंजीनियर, डॉक्टर, प्रशासक और सफल व्यावसायिक हस्तियां शामिल हैं। अग्रवाल विद्यालय द्वारा एक और स्कूल शुरु करने की योजना को दूरदर्शी योजना बताते हुए रामनाथ कोविंद ने कहा कि ट्रस्ट के शैक्षणिक संस्थानों के विद्यार्थी विभिन्न क्षेत्रों में राष्ट्र के विकास में महान योगदान देंगे ऐसी आशा है ।

युवाओं को नौकरी तलाशने की बजाय स्वरोजगार शुरू करना चाहिए

तुगलक के सम्पादक एस. गुरुमूर्ति ने कहा कि वर्तमान शैक्षणिक संस्थानों को नौकरी चाहने वालों को नहीं बल्कि नियोक्ता पैदा करना चाहिए। पढ़े-लिखे युवाओं को दूसरी कंपनियों में नौकरी तलाशने की बजाय स्वरोजगार शुरू करना चाहिए। तमिलनाडु में उत्तर भारतीय समुदाय विभिन्न सेवाएँ कर रहा है लेकिन कुछ राजनीतिक कारणों से उनकी सेवाओं के बारे में लोगों को जानकारी नहीं है। इसलिए आने वाले दिनों में सभी लोगों को सूचित करने के लिए कदम उठाए जाने चाहिए। हमारी शिक्षा प्रणाली को एक दिन में नहीं बदला जा सकता है और इसमें सरकार का योगदान बहुत महत्वपूर्ण है। शिक्षण संस्थानों को उनसे अपेक्षा किये बिना व्यक्तिगत रूप से उन्हें सुधारने का प्रयास करना चाहिए। इस अवसर पर पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द, उनकी पत्नी सविता कोविन्द, तुगलक शिक्षक लेखा परीक्षक गुरुमूर्ति, ट्रस्ट के अध्यक्ष हरीश कुमार सांघी, प्रबंध न्यासी मुरारीलाल सोंथालिया, स्वर्ण जयंती अध्यक्ष बीपी झुनझुनवाला सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित थे। अध्यक्ष हरीश कुमार सांघी ने विशिष्ट अतिथियों का स्वागत किया और रामनाथ कोविन्द को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। स्वर्ण जयंती अध्यक्ष बीपी झुनझुनवाला ने गुरुमूर्ति का सम्मान किया।

जीवन में अहंकार का स्थान नहीं होना चाहिए : युवाचार्य महेंद्रऋषि

■ एएमकेएम में पुच्छिस्सुणं संपुट की सत्रहवीं गाथा का हुआ जाप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। स्थानीय एएमकेएम जैन मेमोरियल सेंटर में चातुर्मासार्थ विराजित श्रमण संघीय युवाचार्य महेंद्रऋषिजी के सान्निध्य में पुच्छिस्सुणं संपुट की सत्रहवीं गाथा का स्वाध्याय हुआ। युवाचार्यश्री ने इस गाथा की महिमा बताते हुए कहा कि शास्त्रकारों ने इस गाथा में बहुत ही महत्वपूर्ण सूत्र दिया है। सफलता के सिद्धि सूत्र का अर्थ बताते हुए उन्होंने कहा कि यहां सिद्धि शब्द का अर्थ है जिसका प्रारंभ है और उसका अंत नहीं। जो खत्म हो जाए, वह सिद्धि नहीं। प्रभु ने जो सिद्धि प्राप्त की, वह पुरुषार्थ से प्राप्त की। प्रभु की साधना का पथ पुरुषार्थ है।

उन्होंने कहा कि एक दूसरे का समर्थन करना आपके गृहस्थ जीवन में अति आवश्यक है। आज इगो, अहंकार के कारण आपसी संबंध खराब हो जाते हैं। यदि जीवन में आगे बढ़ना है तो एक न एक को आगे पीछे रहना ही पड़ेगा। कभी ऐसा मत सोचो मैं आगे हूं या मैं पीछे हूं। आगे पीछे होना तो जीवन का क्रम है। इसमें कोई आगे नहीं, कोई पीछे नहीं। हमें श्रेष्ठता की परंपरा को आगे बढ़ाना है। जीवन में अहंकार का स्थान नहीं होना चाहिए।

उन्होंने कहा महावीर भगवान ने ऐसा सतत् पुरुषार्थ किया और सर्वश्रेष्ठ अग्रभाग को पाया। उन्होंने कहा सिद्धशिला त्रस नाड़ी के ऊपर होता है। हमारे बीच एक ऐसा गोल है जो अधोलोक से उर्ध्वभाग के बीच है। त्रस जीव उसी गोल में रहते हैं। जो पुरुषार्थ के साथ प्राप्त किया जाता है वह आदि है, नहीं तो वह अनादि है। हमारे कर्म अनादि है। आत्मा के ऊपर कर्म का लेप लगा हुआ है। हमारी सिद्धि आदि है। व्यक्ति ब्रांडेड तब ही बनता है जब राग-द्वेष, ईर्ष्या, कटुता कम हो जाए।

उन्होंने कहा परमात्मा ने अपने पर लगे कर्मों को दूर कर दिया। इससे उन्होंने पाया उस सिद्धि को, जो पुरुषार्थ से मिलती है। वह ऐसी सिद्धि होती है कि जहां जाने पर वापस आने की जरूरत नहीं। भीतर में ज्ञान, दर्शन, चारित्र से सभी कर्मों को दूर किया। पुरुषार्थ से जो प्राप्त होने वाले ऐसे सिद्ध पद को प्राप्त किया। हम भी परमात्मा की स्तुति, भक्ति कर सिद्ध पद को प्राप्त करें। उस परम तत्व को प्रकट करने में सफल बनें। इस दौरान लताबाई गेलड़ा ने मासक्षमण तपस्चर्या की पचकावनी ली। उनका महासंघ की ओर से अनुमोदनार्थ सम्मान किया गया। इस मौके पर उदयपुर, हैदराबाद आदि क्षेत्रों से गुरुभक्तगण युवाचार्यश्री के दर्शनार्थ व वंदनार्थ उपस्थित हुए। तिरुमसी संघ ने नव निर्मित स्थानक भवन में पधारने का निवेदन किया। राकेश विनायकिया ने सभा का संचालन किया।

रेला हॉस्पिटल ने स्वस्थ हृदय के प्रति जागरूकता बढ़ाने हेतु वॉकथॉन का आयोजन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। हृदय रोगों के निदान हेतु प्रसिद्ध रेला हॉस्पिटल ने फेफड़ों तथा स्वस्थ हृदय के प्रति जागरूकता बढ़ाने हेतु पांच किलोमीटर के वॉकथॉन का आयोजन किया जिसमें अस्पताल के डॉक्टरों सहित पांच सौ से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। वॉकथॉन को रेला हॉस्पिटल के सीईओ डॉ ईलानकुमारन कालियामूर्ति इंस्टिट्यूट ऑफ़ कार्डियक साइंसेज के निदेशक तथा वरिष्ठ सलाहकार डॉ. श्रीनाथ विजयशेखरन, डॉ. ऐश्वर्या राजकुमार तथा तांबरम के पुलिस उपायुक्त आईपीएस पवन कुमार रेड्डी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। वॉकथॉन कार्यक्रम में बोलते हुए अस्पताल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. ईलानकुमारन कलियामूर्ति ने कहा कि किसी भी अस्पताल की भूमिका बीमारियों के इलाज से कहीं आगे तक का है इसी क्रम में बीमारियों की रोकथाम हेतु लोगों के बीच जागरूकता बढ़ाना भी है। उन्होंने कहा कि अपनी भूमिका का निर्वाह करते हुए हम महत्वपूर्ण स्वास्थ दिवसों पर लोगो के बीच जागरूकता बढ़ाने हेतु वॉकथन का आयोजन कर रहे हैं। डॉ.श्रीनाथ विजयशेखरन ने कार्यक्रम में बोलते हुए कहा कि खराब जीवन शैली उच्च रक्तचाप मधुमेह जैसे रोगों के कारण हृदय संबंधी रोग निरंतर बढ़ रहे हैं। डॉक्टर. ऐश्वर्या राजकुमार ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

गुरु पूजा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कोयंबतूर के बाजार स्थित विजय शांति गुरुदेव मंदिर में विजयशांति गुरुदेव के 81 गुरु निर्वाण दिवस के अवसर पर विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान जैसे पूजन, भक्ति, महाआरती का आयोजन किया गया। पूरे दिन के अनुष्ठान के लाभार्थी विजयचंद मनीष बैद परिवार थे। सुरेश गुंदेशा ने बताया कि इस मौके पर जैन समाज के बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

धर्म हमेशा लोगों को जोड़ने का कार्य करता है : साध्वीश्री राजमती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। शहर के साहुकारपेट में स्थित जैन भवन में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री राजमतीज ने कहा कि मनुष्य की प्रवृत्ति हीरे के समान निच्छल और पवित्र होनी चाहिए।जैसे हीरे मे कचरा आने से वो मलिन हो जाता है उसी तरह आत्मा भी क्रोध, मान, माया और लोभ आदि दुर्गुणों के आने से अपवित्र हो सकती है लेकिन मनुष्य को अपनी आत्मा को हमेशा जागृत रखना चाहिए और इन दुर्गुणों से दूर रहने का प्रयास करना चाहिए।साध्वीजी ने कहा कि धर्म हमेशा लोगों को जोड़ने का कार्य करता हैं जबकि पाप व्यक्तियों को तोड़ने का प्रयास करता हैं। उन्होंने कहा कि बड़ा व्यक्ति वही होता है जो कि अपनी प्रशंसा नही सुनना चाहता है, जैसे कि हीरा अपनी कीमत खुद नहीं आंकता हैं उसी तरह बड़ा व्यक्ति अपनी बढाई से दूर रहता हैं। प्रवचन में दीपचन्द कोठारी, सुभाष कोठारी, लालचंद ललवानी, महेश मेहता, रमेश कांकलिया, विजयराज दुगड, शांतिलाल मेहता आदि श्रावक उपस्थित थे। महासचिव संजय पींचा ने संचालन किया तथा अक्टूबर माह में होने वाली मुमुक्षु दीपिका के दीक्षा कार्यक्रम की जानकारी दी।

गुरु निर्वाण दिवस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कोयम्बटूर के राबर्टसन रोड स्थित जिनदत्तसूरी दादावाड़ी में विजयशांति गुरुदेव के 81 गुरु निर्वाण दिवस के अवसर पर साध्वीजी प्रियसोमंजनाश्रीजी के सान्निध्य में पंचकल्याणक पूजन सहित भक्ति व महा आरती का आयोजन किया गया। अध्यक्ष विजयचंद झाबक ने सभी का स्वागत किया। मोहन गोलेछा ने जानकारी दी। बहुफणा भक्ति मंडल की महिलाओं ने भजन प्रस्तुत किए।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.